हरिभूमि
रायपुर भूमि





डीजे-धुमाल की धुन पर भक्ति गीतों पर थिरकते दिखे लोग, कुंड में मां दुर्गा की 900 प्रतिमाओं का विसर्जन

- विसर्जन स्थल पर रौनक, 7 क्रेन प्रतिमा विसर्जन के लिए लगाए
- देर शाम तक शहर के अलग-अलग इलाकों से मां जगदंबा की प्रतिमा विसर्जन करने पहुंचते रहे श्रद्धालु
- निगम आयुक्त ने 20 से 25 अक्टूबर तक तीन पाली में विसर्जन व्यवस्था के लिए जोनवार लगाई अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

9 दिन के नवरात्रि पर्व के बाद शहर की सड़कों पर बुधवार को भी लोगों का हुजूम नजर आया। डीजे और धुमाल की भक्तिमय धुन पर थिरकते युवाओं की टोली के साथ बच्चे और महिलाएं भी मां दुर्गा की प्रतिमा को सम्मान के साथ विदाई देने उत्साहित नजर आईं। महादेवघाट के विसर्जन कुंड में देर शाम तक 900 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन पूजा-अर्चना के साथ विधि-विधान से



किया गया। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने 20 से 25 अक्टूबर तक तीन पाली में जोनवार निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों की प्रशासनिक व्यवस्था के तहत ड्यूटी लगाई है। इसमें 8-8 घंटे की शिफ्ट के हिसाब से संबंधित जोन के जोन कमिश्नर, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता और कार्य सहायक विसर्जन कुंड स्थल पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था की निगरानी करने जुटे हैं। मां दुर्गा के जयकारों के ⏭शेष पेज 13 पर

कुंड स्थल पर भारी भीड़, मलबा निकालने लगाई 2 क्रेन, 5 क्रेन केवल मूर्ति विसर्जन में

महादेवघाट के विसर्जन स्थल बुधवार की देर शाम दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन करने बड़ी संख्या में लोग कुंड स्थल पर पहुंचे। इसके चलते स्थल पर रात्रि के समय भी खासी रौनक रही। विसर्जन व्यवस्था में दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक जोन 10 की टीम डटी रही। सूत्रों के मुताबिक दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन में एक साथ ज्यादा संख्या में कुंड स्थल पर प्रतिमा विसर्जन के लिए पहुंच रहे लोगों की सुविधा के लिए नगरनिगम ने 5 क्रेन केवल मूर्ति विसर्जन के लिए लगाए हैं, इसके अलावा 2 क्रेन मशीन को विसर्जन कुंड सहित आसपास के स्थल में जमा हो रहे ढांचा सहित अन्य सामग्री को वहां से हटाने के लिए लगाया गया है, ताकि मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

खबर संक्षेप

विसर्जन जुलूस के दौरान तलवार से हमला

रायपुर। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान कार रोके जाने के विवाद पर दो लड़कों ने एक युवक पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या की कोशिश का अपराध दर्ज किया है। आरडीए कालोनी निवासी ईसान कुमार गुप्ता ने तरुण राज, नवनीत मिश्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित ने पुलिस को बताया है कि शुक्रवार रात नौ बजे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन करने सरजू बांधा तालाब लेकर जा रहे थे। टिकरापारा, नंदी चौक के पास कार सीजी 04 पीडब्ल्यू 2326 को रोके जाने से नाराज कार सवार युवक विवाद करते हुए ईसान पर तलवार से हमला कर मौके से फरार हो गए। बीच-बचाव करने आए एक युवक की आंख पर चोट लगी है।

महिला पर टंगिया से जानलेवा हमला



रायपुर। विधानसभा थाना क्षेत्र के टेकारी गांव में पुरानी रंजिश के कारण आरोपी ने घर में घुसकर महिला पर टंगिया से जानलेवा हमला कर दिया। घटना मंगलवार देर रात की है। महिला अपने पति और बेटे के साथ कमरे में सो रही थी, तभी पड़ोस में रहने वाला सागर वर्मा टंगिया लेकर घर में घुसा और महिला के सिर पर वार कर दिया। महिला के चिल्लाने पर पति की नींद खुल गई। इसके बाद आरोपी छत के रास्ते भाग निकला। महिला के पति नरेश वर्मा ने पुलिस को बताया है कि सागर वर्मा पहले भी शराब पीकर गाली-गलौज करता था। मना करने पर विवाद करता और रंजिश रखता था।

नाले में मिली युवक की लाश

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र के लालपुर शराब भट्टी के पास बुधवार को नाले में एक युवक का शव मिला है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह भी स्पष्ट नहीं है। पुलिस जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि मामला हादसे का है या कोई दूसरा। शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। मृतक की उम्र 25 से 30 वर्ष है।

बीच-बचाव करने पहुंचे युवक पर चाकू से हमला

रायपुर। सिलतरा थाना क्षेत्र के बाजार चौक पर बीच-बचाव करने पहुंचे युवक को घेरकर मारपीट कर उस पर चाकू से वार किया गया। साईं विहार कालोनी निवासी युवराज वर्मा ने नज्जू खान तथा उसके बेटे नसीम तथा वसीम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। युवक ने पुलिस को बताया है कि 20 अक्टूबर की शाम हथनिन तालाब के पास समिति के लोगों के साथ हो रहे विवाद में बीच बचाव करने वह पहुंचा था। करीब आधे घंटे बाद बाजार चौक पर नज्जू खान ने अपने दोनों बेटे और साथियों को बुलाकर उस पर हमला करवा दिया।

मंगलवार को निशुल्क सेवा में करीब 300 ने किया था सफर, आगे संख्या बढ़ने की संभावना

कुरुद ट्रेन के लिए यात्री खोजना बड़ी चुनौती, दूसरे दिन बिके सिर्फ 50 टिकट, रावघाट गए 100 यात्री

रायपुर-कुरुद के बीच का किराया 20, रावघाट का 55, बसों की तुलना में आधा किराया

हरिभूमि न्यूजः रायपुर



मंगलवार से पटरी पर आई रायपुर-कुरुद-रायपुर लोकल ट्रेन के लिए यात्री जुटाना आने वाले दिनों में किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा। पहले दिन यानी मंगलवार को निशुल्क सेवा में करीब 300 यात्रियों ने सफर किया था, मगर बुधवार को केवल 50 लोगों ने टिकट कटाया। रावघाट से जुड़ने वाली ट्रेन में दूसरे दिन 100 यात्रियों ने अपनी यात्रा पूरी की।

यात्री सुविधा को बेहतर बनाने के लिए रायपुर-कुरुद-रायपुर और रायपुर-रावघाट-रायपुर के बीच लोकल ट्रेन की शुरुआत की गई है। दोनों शहरों की यात्रा बस किराए से आधे खर्च में पूरा किया जा सकता है। रायपुर-कुरुद के बीच का किराया 20 रुपए है, तो रावघाट का सफर 55 रुपए में तय होगा। हालांकि इन शहरों के लिए नियमित रूप से पर्याप्त यात्री जुटाना रेलवे के सामने बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। रेलवे अफसरों का तर्क है कि आने दिनों में इन ट्रेनों का उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ेगी। मंगलवार को दोनों ट्रेनों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हरी झंडी दिखाई थी। इस दौरान इस रूट में यात्रियों को निशुल्क सफर की सुविधा दी गई थी। बुधवार को ट्रेनों के संचालन के दौरान टिकट अनिवार्य किया गया था इस दौरान यात्रियों की संख्या कम रही और ट्रेन लगभग खाली-खाली संचालित हुई। रेलवे सूत्रों के मुताबिक रायपुर-कुरुद के बीच करीब पचास लोगों ने और रायपुर-रावघाट के लिए 100 लोगों ने टिकट कटवाकर अपनी यात्रा पूरी की थी।

ज्यादातर लोकल नो प्रॉफिट- नो लॉस में

सूत्रों की माने तो रायपुर रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन दर्जनभर लोकल ट्रेन संचालित होती है। इन ट्रेनों का संचालन नो प्रॉफिट-नो लॉस वाली स्थिति में किया जाता है। ट्रेनों की क्षमता के हिसाब से त्योहारी और विशेष सीजन को छोड़कर शेष दिनों में यात्रियों की संख्या 50 से 80 फीसदी के बीच होती है। रायपुर-कुरुद के बीच भी यात्रियों की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि रेलवे से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि वास्तविक स्थिति ट्रेनों के सप्ताहभर संचालन के बाद ही सामने आएगी।

समय वही, पर किराया बचेगा

सूत्रों के मुताबिक रायपुर से दोपहर 1.45 बजे रवाना होकर ट्रेन दोपहर 2.30 बजे कुरुद पहुंचेगी। यानी दोनों क्षेत्रों का सफर लगभग सवा घंटे में पूरा होगा। सड़क मार्ग से यात्रा करने पर भी इतना ही वक्त लगता है मगर ट्रेन का विकल्प चुनने पर यात्री किराए की बचत होगा। दूसरी ओर रावघाट से सुबह 6.30 बजे रवाना होकर ट्रेन विभिन्न स्टेशनों में रुकते हुए दोपहर 1.05 बजे रायपुर पहुंचेगी। यहां से 1.45 बजे वापस रवाना होकर शाम 6.30 बजे रावघांट में रुकेगी। इस ट्रेन का टिकट भी बस की तुलना में आधा है।

बैठक में शामिल होने गए कारोबारी की होटल में लाश मिलने से हड़कंप

हरिभूमि न्यूज⏭रायपुर

मार्कफेड की बैठक में शामिल होने गए रायपुर के एक कारोबारी की चंडीगढ़ के होटल में बुधवार तड़के छह बजे संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। मृतक की पहचान दीपक मित्तल (56) वर्ष के रूप में हुई है। मृतक के साथ अंतिम समय में देखी गई एक महिला को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतक आमासिवनी स्थित संजय ग्रेन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर थे। जानकारी के मुताबिक घटना दिनांक को वेटर, कारोबारी के कमरे के सामने से गुजर रहा था। कमरा खुला हुआ होने की वजह से वेटर रूम के अंदर दाखिल हुआ, तब उसने देखा की कारोबारी बेसुध होकर बेड पर लेटे हुए थे। वेटर ने कारोबारी को जगाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं उठे। इसके बाद वेटर ने इसकी जानकारी होटल मैनेजर को दी। होटल प्रबंधन कारोबारी को अस्पताल लेकर गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक कारोबारी चंडीगढ़ में मार्कफेड की एक बड़ी मीटिंग में शामिल होने गए थे।



- मृतक पंजाब सरकार को राशन किट सप्लाई करने वाले बड़े कांट्रैक्टर थे

नशे के ओवरडोज से मौत की आशंका

कारोबारी की मौत की जानकारी मिलने पर चंडीगढ़ सेक्टर-17 की पुलिस तथा फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम घटना स्थल पहुंची और कमरे को सील कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को कमरे के अंदर शराब की खाली बोतल कुछ दवाइयां मिली हैं। पुलिस ने आशंका जताई है कि कारोबारी की मौत नशे के ओवरडोज से हुई होगी। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद होगा।

दो दिन पहले रेंट पर लिया था रूम

कारोबरी ने चंडीगढ़ के होटल ताज में कमरा बुक किया था। होटल प्रबंधन ने पुलिस को बताया है कि कारोबारी ने दो दिन पूर्व होटल में कमरा बुक कराया था। बताया जा रहा है कि घटना दिनांक के एक दिन पूर्व उनके साथ एक महिला भी रात में होटल में आई थी। पुलिस उस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

दिवाली से पहले नगर सैनिकों का मिली सौगात, मानदेय अब प्रति माह 30870 मिलेगा



हरिभूमि न्यूज⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था, अग्निशमन और आपदा प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में अपनी सेवाएं दे रहे स्वयंसेवी नगर सैनिकों को दीपावली से पहले बड़ी सौगात मिली है। राज्य सरकार ने नगर सैनिकों के मानदेय में एक बार फिर से भारी बढ़ोतरी की है। नए प्रस्ताव के अनुसार अब सैनिकों को 30870 रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इससे पूर्व सैनिकों को प्रतिमाह 19500 मानदेय मिलता था। इस तरह सैनिक को प्रति दिन 1029 रुपए की दर से ⏭शेष पेज 13 पर

इस तरह बढ़ा मानदेय

नगर सैनिकों के मानदेय में समय-समय पर संशोधन किया जाता रहा है। वर्ष 2017 में गृह विभाग के आदेश से मानदेय में 3200 रुपए की वृद्धि कर इसे 10000 रुपए से बढ़ाकर 13200 रुपए प्रतिमाह किया गया था। इसके बाद 30 मई 2023 के बाद 1 अप्रैल 2023 से मानदेय में 6300 रूपए की और वृद्धि की गई, जिससे मानदेय बढ़कर 19500 रुपए प्रतिमाह हुआ। इसके बाद से मानदेय में वृद्धि नहीं की गई थी। अब चालू वर्ष में मानदेय में वृद्धि की गई है।

आवश्यक सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान को ध्यान में रखकर की गई अनुशंसा

शासन ने न्यायालय के निर्देशों तथा लगातार बढ़ती महंगाई एवं नगर सैनिकों द्वारा ड्यूटियों के दौरान कानून-व्यवस्था, आपदा प्रबंधन और अन्य आवश्यक सेवाओं में दिए जा रहे उत्कृष्ट योगदान को ध्यान में रखते हुए मानदेय बढ़ाने की यह अनुशंसा की है। शासन के इस कदम से न केवल नगर सैनिकों को आर्थिक संबल (मजबूती) मिलेगी, बल्कि उनका मनोबल और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता भी और अधिक मजबूत होगी। स्वयंसेवी नगर सैनिकों ने मानदेय में हुई इस बढ़ोत्तरी के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर गृह मंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए खुशी जाहिर की है।

रात में ठंडकता, दिन में तेज धूप बिगड़ने लगी लोगों की सेहत

हरिभूमि न्यूज⏭ रायपुर

वातावरण शुष्क होने के बाद रात में महसूस हो रही ठंडकता और दिन की कड़ी धूप का लोगों की सेहत पर विपरीत असर पड़ रहा है। दिन और रात के तापमान में 11 डिग्री का अंतर है, जिसकी वजह से राजधानी समेत प्रदेश में दो तरह का मौसम हो चुका है। अगले तीन दिनों बाद न्यूनतम तापमान पुनः अपनी सामान्य स्थिति में आने के आसार हैं।

- रात-दिन के तापमान में 11 डिग्री का अंतर

प्रदेश में बारिश की गतिविधि पूरी तरह शांत हो गई है और जब तक किसी तरह का बढ़ा मौसमी बदलाव नहीं होगा, तब तक परिवर्तन की संभावना भी नहीं है। अभी आसमान साफ हो गया है, जिसकी वजह से दिन में तेज धूप और गर्मी असर दिखा रही है। राजधानी का पारा अभी सबसे अधिक दर्ज किया जा रहा है। इसी तरह रात होने के बाद मौसम में ठंडकता आ रही है और न्यूनतम तापमान सुबह होने की स्थिति में दस डिग्री तक नीचे उतर जा रहा है। सुबह गर्मी और रात में ठंडकता की वजह से लोगों को सर्दी-खांसी जैसी समस्या सताने लगी है। ⏭शेष पेज 13 पर

त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ उठाईगिरी करने वाली महिलाओं का गैंग सक्रिय

शाल और बैग से महिला का चेहरा ढक कर शातिरों ने उड़ाई चेन

हरिभूमि न्यूज⏭रायपुर

त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ उठाईगिरी तथा चोरी करने वाले इंटर स्टेट गिरोह सक्रिय हो गए हैं। एक ऐसे ही प्रकरण में पिछले दिनों चार संदिग्ध महिलाओं ने एक महिला के चेहरे को शाल और बैग से ढक कर उसके गले से सोने की चेन पार दी। महिला की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गबराबारा निवासी 70 वर्षीय खैरुन निशा ने चेन चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया है कि वो 18 अक्टूबर को गोलबाजार थाना के पास आटो में सवार हुई। ऑटो में बैठने के बाद कुछ दूर जाने पर चार संदिग्ध महिलाओं ने बुजुर्ग महिला के चेहरे को शाल और बैग से ढक दिया। महिला फाफाडीह स्थित अपनी बेटी के घर पहुंची और गले पर हाथ फेरा, तब चेन गायब मिली। इसकी कीमत करीब 45 हजार रुपये बताई गई है। शाल और बैग से चेहरा ढके जाने पर बुजुर्ग महिला ने महिलाओं से पूछा कि उन्हें शाल और बैग से क्यों ढका जा रहा है। इस पर महिलाओं ने शाल और बैग हटा लिया। इस दौरान वे लोग महिला के गले से सोने की चेन पार कर चुके थे।

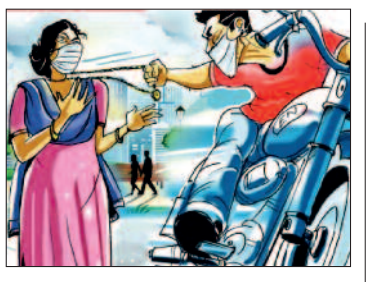

गुप बनाकर चोरी करने आती हैं महिलाएं

बुजुर्ग महिला के साथ जिस पैटर्न पर चोरी की घटना हुई है, उस पैटर्न पर महाराष्ट्र की महिला चोर गिरोह त्योहारी सीजन में चोरी करने हर साल रायपुर पहुंचते हैं। महिलाएं भीड़ वाले इलाके में अकेली महिला को टार्गेट करती हैं। राह चलते उन्हें बातों में उलझाकर या फिर चलते ऑटो में उनके साथ सवार होकर उन्हें चारों तरफ से घेरकर और ढक कर पहने हुए जेवर चोरी करने का काम करती हैं। चोरी, उठाईगिरी करने आने वाली ज्यादातर महिलाएं अपने आपको संभ्रांत दिखाने साफ सुथरे कपड़े पहन कर घटना को अंजाम देती हैं।

पटाखों के लिए खुलने लगीं अस्थाई दुकानें, ज्यादातर आवेदन रिजेक्ट

शुल्क 600 पर नियम सख्त, इसलिए 210 में अब तक सिर्फ 13 को लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में दीपावली त्योहार के लिए पटाखों के अस्थाई दुकानें लगनी शुरू हो गई हैं। ज्यादातर दुकानें जिला प्रशासन से लाइसेंस लिए बिना ही खुल रही हैं। हालांकि इनमें ऐसी भी दुकाने हैं, जिनके द्वारा लाइसेंस लेने के लिए आवेदन किए गए हैं, लेकिन उन्हें अब तक मिला नहीं है। दीपावली त्योहार के लिए इस बार अस्थाई रूप से लाइसेंस लेने के लिए 210 आवेदन किए गए हैं, जिनमें से अब तक मात्र 13 आवेदकों को ही लाइसेंस जारी किए गए हैं। इधर अस्थाई (वन टाइम) लाइसेंस जारी करने का शुल्क 600 रुपए निर्धारित है। शुल्क कम होने के ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि फॉलोअप



चरित्र प्रमाणपत्र भी प्रक्रिया में शामिल

लाइसेंस जारी के नियमों के तहत आवेदक को अपना आधार, निवास प्रमाणपत्र, चरित्र प्रमाणपत्र (थाना) से प्रस्तुत करना होता है। इसके अलावा अन्य कई दस्तावेज भी मांगे जाते है। आवेदन करने वालों में कई लोग कई दस्तावेज जमा नहीं कर पाते या उनके दस्तावेजों में त्रुटि रहती है। ऐसे आवेदन भी रिजेक्ट किए जाते हैं।

ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए

स्थाई और अस्थाई पटाखा की दुकानों को लाइसेंस जारी करने के लिए पोर्टल के माध्यम से आवेदन मंगाए गए हैं। इस बार अस्थाई लाइसेंस के लिए कुल 210 आवेदन किए गए हैं, वहीं स्थाई लाइसेंस के लिए 14 आवेदन हुए हैं। स्थाई लाइसेंस का शुल्क 1800 रुपए है, वहीं अस्थाई लाइसेंस शुल्क 600 रुपए निर्धारित है। इनमें से स्थाई पटाखा के लिए अब तक 5 लाइसेंस जारी किए गए हैं, वहीं अस्थाई में 13 लाइसेंस जारी हुए हैं। इस तरह अस्थाई लाइसेंस के 197 आवेदन अभी भी लंबित हैं, जिनके लाइसेंस जारी नहीं हुए हैं।

गाइड लाइन का नहीं करते पालन इसलिए भी लाइसेंस जारी नहीं

स्थाई और अस्थाई लाइसेंस कम जारी करने का एक कारण जिला सेनानी एवं अग्निशमन विभाग की सख्त गाइड लाइन भी है। इस गाइड लाइन के अनुसार प्रत्येक पटाखा दुकान में आग से बचाव के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने हैं। इसमें 5 किलो क्षमता के डीसीपी अग्निशामक यंत्र, 200 लीटर क्षमता का ड्रम पानी से भरा, बाल्टी, प्रत्येक दुकान के बीच की दूरी कम से कम 3 मीटर, दुकान बांस, बल्ली, कपड़ा-रस्सी की जगह टिन के शेड या पक्के हो, पटाखा दुकान के 50 मीटर की दूरी पर आतिशबाजी, विद्युत तारों की जाइंट खुली नहीं हो, ट्रांसफार्मर एवं हाईटेंशन तार से दूर, दुकान के सामने पार्किंग व्यवस्था सहित अन्य कई नियम है, जिसका पालन किया जाना होता है। ज्यादातर पटाखा व्यापारी इन नियमों में से 50 प्रतिशत नियमों का भी पालन नहीं करते।


भारत की माननीय राष्ट्रपति
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी
का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर
नुआखाई भेंटघाट में
स्वागत
अभिनंदन
पुरंदर मिश्रा
विधायक रायपुर नगर उत्तर
अध्यक्ष सर्व ओडिया समाज (छ.ग.)
श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री छ.ग. शासन
विनीत - सर्व ओडिया समाज एवं नुआखाई आयोजक समिति रायपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप



मां दुर्गा की विदाई पर नम हुईं तीनों पंडों की आंखें

आरंग। शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा की सेवा, पूजा-अर्चना और आराधना में लीन रहने वाले नरदहा के लोहराभाठा में विराजित मां दुर्गा के तीनों पंडों के लिए विसर्जन का अंतिम पल बेहद भावुक कर देने वाला रहा। नौ दिनों तक मां की सेवा में समर्पित रहे पंडों की आंखें उस समय नम हो गईं, जब भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ मां दुर्गा को अंतिम विदाई देने का समय आया। जिस मां की प्रतिदिन पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद मांगा, जिनकी सेवा में नौ दिन कब बीत गए, इसका एहसास तक नहीं हुआ, उन्हीं मां को विदा करते समय पंडों का मन भावनाओं से भर उठा। नवरात्रि के पहले दिन से ही तीनों पंडे पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ मां दुर्गा की सेवा में जुटे रहे। प्रतिदिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच उनका अधिकांश समय मां की भक्ति में बीता। इन नौ दिनों में मां के प्रति उनकी आस्था और समर्पण केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक गहरे भावनात्मक जुड़ाव का रूप ले चुका था। नवरात्रि के समापन पर जब मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के लिए रवाना हुई, तो माहौल भक्तिमय होने के साथ भावुक भी हो गया। मां के जयकारों, जसगीतों और भक्तों की श्रद्धा के बीच तीनों पंडों के लिए यह पल सहज नहीं था।

दीपावली के लिए रोज हजारों दीयों का निर्माण युद्ध स्तर पर

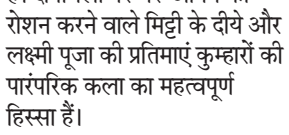

आरंग: दीपावली का पर्व नजदीक आते ही मिट्टी के दीये और लक्ष्मी पूजा के लिए छोटी-छोटी प्रतिमाएं बनाने का काम तेज हो गया है। ग्राम लखौली में कुम्हार पूनम प्रजापति के यहां तीन चाक पर युद्धस्तर पर दीये तैयार किए जा रहे हैं। परिवार के सदस्य दीये बनाने और उन्हें सुखाने में जुटे हैं, ताकि दीपावली तक मांग के अनुरूप आपूर्ति की जा सके। पूनम प्रजापति ने बताया कि पिछले 10 दिनों से प्रतिदिन लगभग 4 से 5 हजार मिट्टी के दीये तैयार किए जा रहे हैं। इस बार एक लाख दीये बनाने का लक्ष्य रखा गया है। दीयों के साथ ही लक्ष्मी पूजा के लिए छोटी-छोटी मिट्टी की प्रतिमाएं भी तैयार की जा रही हैं। चाक पर आकार लेने के बाद दीयों को धूप में सुखाया जा रहा है। पूरी तरह सूखने के बाद उन पर रंग चढ़ाया जाएगा और फिर भट्ठी में पकाया जाएगा। इस प्रक्रिया के बाद दीये बिक्री के लिए तैयार होंगे। मिट्टी की लक्ष्मी प्रतिमाओं को भी पूजा के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। रमन प्रजापति ने बताया कि लखौली में तैयार किए जा रहे दीयों के लिए रायपुर से ऑर्डर मिल रहे हैं। मांग के अनुसार दीये तैयार किए जा रहे हैं। दीपावली पर घर-आंगन को रोशन करने वाले मिट्टी के दीये और लक्ष्मी पूजा की प्रतिमाएं कुम्हारों की पारंपरिक कला का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

:: आम सूचना ::

"भूखंड क्र.-7, खसरा क्र.- 637/289 (शामिल खसरा क्र.-638/287, 639/287, 640/287, 641/287, 645/290, 658/287, 659/287, 660/287 & 661/287) रकबा - 1526 वर्ग फूट है जो कि, वुड आई लैंड, ग्राम-अमलेश्वर, प.ह.न.-5 (पुराना)/3 (नया), तहसील-पाटन व जिला - दुर्ग (छ.ग.) में स्थित है" के संबंध में आम सूचना -

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित संपत्ति वर्तमान में मेरे पक्षकार श्रीमती स्मिता सिंह पति मृत्युंजय सिंह के स्वत्व व आधिपत्य की संपत्ति है, उक्त संपत्ति से संबंधित पूर्व का एक विक्रय विलेख जिसका निष्पादन आस्क रियल्टी व डेवलपर लिमिटेड व अन्य द्वारा एक शशि शुक्ला पति एस.के. शुक्ला के पक्ष में किया गया था, जिसका पंजीयन दिनांक 21.10.2010 को पुस्तक क्र.-अति-1, ग्रंथ क्र.-2137 में दस्तावेज/पंजीयन क्र.-1941 देकर उप - पंजीयक कार्यालय, पाटन, दुर्ग में किया गया था। आज दिनांक को गुम हो जाने की पूर्ण संभावना है और इसके संबंध में पुलिस थाना, अमलेश्वर, पाटन दुर्ग के समक्ष दिनांक 17.10.2026 को सूचना दी गई है।

अतः यदि उपरोक्त गुम मूल विक्रय विलेख के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई भी संव्यवहार अवैधानिक तरीके से कूट-रचना कर अनुचित लाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि द्वारा किया जाता है, अथवा किया गया है तो वह आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आवेगा। यदि ऐसे किसी संव्यवहार से किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि को हानि पहुंची हो अथवा कोई दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 (पंद्रह) दिवस के भीतर मेरे निम्नलिखित पते पर मय दस्तावेज आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध तथा शून्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी व वह जैसे चाहे उस रूप में अन्यथा अंतरण करने हेतु स्वतंत्र होवेगा। सो सूचना जाने।

स्थान - रायपुर दिनांक - 21.10.2026

मनीष मल्होत्रा, अधिवक्ता
जी-7, सैक्टर-1, अवन्ती विहार,
रायपुर छ.ग., मो.नं.- 9826628916

पीवी ऐप से गिरदावरी सर्वे पर सवाल, धान विक्रय पर संकट की है आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग।

अनेक गांवों में नक्शा बटांकन के काम अधूरे , खेतों की वास्तविक पहचान स्पष्ट नहीं



समस्याओं का समाधान पहले करें

सरकार को चाहिए कि वह पीवी एप्प से गिरदावरी की प्रक्रिया की जमीनी व्यवहार्यता की समीक्षा करे, अधूरे नक्शा बटांकन की समस्या का निराकरण करे और खेतों की सही पहचान सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए। साथ ही, यह भी स्पष्ट करे कि किसी तकनीकी त्रुटि या सर्वेक्षण में देरी के कारण कोई पात्र किसान धान विक्रय से वंचित नहीं होगा। सवाल यह है कि जब किसानों की आजीविका का मामला हो, तो क्या सरकार को जमीनी समस्याओं का समाधान पहले नहीं करना चाहिए..? किसानों के हितों की रक्षा और धान विक्रय में किसी भी प्रकार की बाधा रोकने के लिए सरकार को तत्काल पहल करते हुए पटवारियों से संवाद स्थापित करना चाहिए, ताकि विवाद का समाधान हो और किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

खड़ी धान की फसल के बीच पीवी एप्प के माध्यम से फसल गिरदावरी कराने की व्यवस्था को लेकर अब किसानों के हितों पर सवाल खड़े होने लगे हैं। जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर ने इस मुद्दे पर सरकार की नीति और व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताते हुए किसानों के हित में ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया है। पटवारियों द्वारा 12 अक्टूबर 2026 से किसानों के हित में अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने के बीच फसल गिरदावरी की प्रक्रिया और उसके संभावित परिणामों को लेकर चिंता बढ़ गई है। वतन चन्द्राकर के मुताबिक, जब खेतों में धान की फसल खड़ी है, तब पीवी एप्प के माध्यम से प्रत्येक किसान के खेत का वास्तविक सर्वेक्षण करना कितना व्यावहारिक है, यह सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। अनेक गांवों में नक्शा बटांकन का काम अधूरा होने और खेतों की वास्तविक पहचान स्पष्ट नहीं होने जैसी समस्याओं के बीच सभी किसानों के खेतों का व्यक्तिगत सर्वेक्षण कर पाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में तकनीकी व्यवस्था लागू करने से पहले जमीनी परिस्थितियों का आकलन करना जरूरी है। फसल गिरदावरी का सीधा संबंध किसानों के धान विक्रय और उनकी आर्थिक स्थिति से जुड़ा है। यदि किसी किसान के खेत का सर्वेक्षण तकनीकी या भौगोलिक कारणों से पूरा नहीं हो पाता है, तो उसके सामने धान बेचने में परेशानी खड़ी हो सकती है। ऐसी स्थिति में सवाल उठता है कि व्यवस्था की खामियों का नुकसान आखिर किसान क्यों उठाए..? वतन चन्द्राकर ने सरकार के सामने यह सवाल खड़ा किया है कि जब खेतों की पहचान, नक्शा बटांकन और खड़ी फसल के सर्वेक्षण को लेकर व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आ रही हैं, तो इनका समाधान किए बिना नई व्यवस्था पर जोर देना कितना उचित है.? क्या सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि तकनीकी प्रक्रिया के कारण किसी भी किसान का धान विक्रय प्रभावित नहीं होगा..?

मंदिर हसौद निर्माणाधीन आत्मानंद स्कूल के लिए एक करोड़ की घोषणा

40 स्थानों पर होगी जैतखंभ स्थापित चंदखुरी बनेगा नगर पंचायत : सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदिर हसौद



- भंडारपुरी गुरु दर्शन मेला में मुख्यमंत्री हुए सम्मिलित
- मेला में पहुंचे श्रद्धालुओं को मिला गुरु दर्शन लाभ

आरंग विधान सभा के अंतर्गत स्थित भंडारपुरी धाम जो गुरु घासीदास जी की द्वितीय पुत्र गुरु बालक दास जी का कर्म भूमि है ,जहां समाज के आदेशक निर्देशक मार्ग दर्शक गुरु बाल दास साहेब के नेतृत्व में 21अक्टूबर को भंडार पुरी गुरु दर्शन मेला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विष्णु देव साय विशिष्ट अतिथि टंक राम वर्मा इंद्र साहू तकनीकी शिक्षा विभाग गुरु खुशवंत साहेब, सोमेश साहेब, सौरभ साहेब,रोहित साहू विधायक , प्रहलाद रजक, अंजय शुक्ला,राजीव लोचन महाराज गौ सेवक, नवीन अग्रवाल, सत्यलता व अन्य अतिथियों के उपस्थिति में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। जहां सर्व प्रथम गुरु बाल दास मुख्य मंत्री और सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। वही गुरु खुशवंत ने मुख्यमंत्री सभी अतिथियों को तुलसी के कंठी सफेद पगड़ी और बुके भेट कर सम्मानित किया।

स्वाभिमान के साथ जीना सिखाया

गुरु बाल दास का उद्बोधन आज के दिन एकादशी पर गुरु बालकदास जी को राजा की उपाधि दिया गया। जिन्होंने गुरु घासीदास जी की संदेश को जन जन तक पहुंचाया वही गुरु बालक दास जी ने किसानो और प्रदेशवासियों को भू स्वामित्व का अधिकार दिलाई तथा गुरु बालक दास द्वारा गांव गांव पहुंच कर रावटी लगाकर समाज के लोगों में रहन सहन में बदलाव और अपने हक अधिकार के लिए लड़ना और स्वाभिमान के साथ जीना सिखाया। वही गुरु बाल दास साहेब ने गुरु घासीदास जी की संदेश मानव मानव एक समान के संदेश का अनुकरण करने को कहा जहां सतनामी समाज गुरु प्रधान समाज है, जो किसी व्यक्ति के द्वारा समाज को दूसरे समाज के खिलाफ भड़काने पर सड़क पर नहीं उतरने की बात कही जो कई भी समस्या हो गुरुओं का मार्ग दर्शन लेने को कहा जहां हर समस्या का समाधान होने की बात कही। और गुरु बाल दास ने प्रकृति को ही सत्य बताया । मंत्री गुरु खुशवंत साहेब द्वारा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास का कीर्तिमान रचा रहे जहां हर वर्ग को साथ लेकर विकास कर रहे हैं। वही मुख्य मंत्री के समक्ष कुछ मांग रखे जिसमें मंदिर हसौद अधूरे आत्मानंद स्कूल भवन की निर्माण के लिए राशि ,नगर पंचायत चदखुरी भवन का लिए ओढ़का स्कूल , खमतराई स्कूल शामिल है।

मुख्यमंत्री का उद्बोधन में कहा कि आज के दिन एकादशी पर गुरु बालक दास को राजा की उपाधि दिया गया , जिसके उपलक्ष में मेला का आयोजन किया जाता है वही बाबा गुरु घासीदास जी के मार्ग दर्शक का अनुकरण करते हुए प्रदेश आगे बढ़ रहे है।, मुख्य मंत्री ने दिल खोल कर किया घोषणा जहां मंदिर हसौद निर्माणधीन आत्मानंद स्कूल के लिए एक करोड़ खमतराई स्कूल के लिए 75 लाख,चंदखुरी नगर पंचायत भवन के घोषणा, साथ ही अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के तहत 40 स्थानों पर लकड़ी का जैत खम्भ का परमिशन देने की बात कही।

दुर्ग विसर्जन में कट्टा-चाकू लहराने का विरोध करने पर युवक पर खूनी हमला



धरसींवा। छत्तीसगढ़ के औद्योगिक और ग्रामीण क्षेत्र सिलतरा में पुलिसिया सुस्ती का फायदा उठाकर असामाजिक तत्वों और बदमाशों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे पवित्र धार्मिक आयोजनों को भी लहूलुहान करने से बाज नहीं आ रहे हैं। दुर्गा विसर्जन के दौरान सरेआम अवैध देशी कट्टा और धारदार चाकू लहराकर दहशत फैलाने का एक मामला सामने आया है। जब कुछ जिम्मेदार युवकों ने इस हुड़दंग का विरोध किया, तो कुख्यात 'कबाड़ी किंग' के परिवार और उसके गुर्गों ने बीच-बचाव करने पहुंचे एक युवक को घेरकर बेरहमी से पीट दिया। सिर पर ईंट से वार करने के साथ ही उसकी पीठ में चाकू घोंप दिया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में खौफ और आक्रोश का माहौल है।

दुर्गा विसर्जन में हथियारों का प्रदर्शन और उपजा विवाद : यह सनसनीखेज वारदात ग्राम पंचायत सिलतरा में दुर्गा विसर्जन यात्रा के दौरान शुरू हुई। जुलूस में कुछ मनचले और दबंग युवक कानून और प्रशासन की परवाह किए बिना सरेआम अवैध देशी कट्टा और धारदार हथियार लहराते हुए नाच रहे थे। हथियारों के इस खुले प्रदर्शन से वहां मौजूद महिलाओं, बच्चों और स्थानीय ग्रामीणों में भारी दहशत फैल गई। जब गांव के कुछ युवकों ने शांति और सुरक्षा के मद्देनजर उन्हें ऐसा करने से रोका, तो आरोपी भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए।

सिलतरा चौक पर घेरकर सिर और पीठ पर जानलेवा हमला

घटना की शुरुआत 20 अक्टूबर की शाम करीब 5:30 बजे हथनीन तालाब के पास हुई, जहां नज्जू खान के लड़के साईं बिहार समिति के सदस्यों से उलझ रहे थे। 28 वर्षीय प्रार्थी युवराज वर्मा जब बीच-बचाव करने पहुंचा, तो आरोपी वहां से धमकी देकर चले गए। इसके बाद, शाम करीब 6:00 बजे जब युवराज सिलतरा चौक पर खड़ा था, तब नज्जू खान ने अपने बेटों नसीम खान, वसीम खान और अन्य साथियों को वहां बुला लिया। आरोपियों ने गालियां देते हुए युवराज को घेर लिया। नसीम खान ने ईंट से उसके सिर पर वार किया, वसीम खान ने हाथ में पहने कड़े और मुक्कों से चेहरे व नाक पर प्रहार किए, और इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर एक आरोपी ने उसकी पीठ में धारदार चाकू घोंप दिया।

दशहरे पर 32 फीट ऊंचे रावण पुतले का दहन व जमकर की आतिशबाजी

आरंग। नगर में इस वर्ष विजयादशमी का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। दशहरा मैदान में आयोजित मुख्य समारोह में नागरिकों का भारी जनसैलाब उमड़ा, जहां रावण दहन के साथ-साथ भव्य मेले और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि विजयादशमी असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, /"हम हर वर्ष रावण का पुतला दहन करते हैं, लेकिन इस पर्व की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब हम अपने भीतर छिपे काम, क्रोध, मद और लोभ रूपी रावण का वध करें।/" मंच पर श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान जी का अभिनंदन और पूजन किया गया। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने दशहरा मैदान में घूम-घूमकर नागरिकों से भेंट की और सभी को



विजयादशमी की बधाई दी। समारोह को संबोधित करते हुए चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा एवं नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने भी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और समाज से सभी बुराइयों को मिलकर समाप्त करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन किया गया। मैदान में 32 फीट ऊंचे विशालकाय रावण के पुतले के समक्ष भगवान श्रीराम और दशानन रावण के बीच युद्ध प्रसंग का संक्षिप्त मंचन किया गया। इसके बाद विधिवत रावण दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। पुतला दहन के दौरान मैदान में शानदार आतिशबाजी की गई, जिससे पूरा आसमान सतरंगी छटा से जगमगा उठा। दहन के पश्चात परंपरानुसार नागरिकों ने एक-दूसरे को 'सोनपत्ती' (सोना पत्ती) भेंट कर गले मिलकर पर्व की बधाई दी। आयोजन स्थल पर लगे मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नगरवासियों ने भरपूर आनंद लिया। प्रशासन की सुव्यवस्थित व्यवस्था की भी नागरिकों ने सराहना की। कार्यक्रम का सफल संचालन घनश्याम साहू ने किया। इस अवसर पर बीजेपी आरंग मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी, पार्षदगण, विभिन्न जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नगरवासी उपस्थित रहे। प्रशासनिक व्यवस्था में मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम सजीवन सोनवानी, थाना प्रभारी नरेश साहू सहित पुलिस और प्रशासन का अमला मुस्तैद रहा।

पेज 11 के शेष

डीजे-धुमाल की धुन पर भक्ति गीतों...

साथ विजयादशमी के दूसरे दिन में राजधानी रायपुर के खारुन नदी तट पर स्थित महादेवघाट के समीप नगर निगम द्वारा बनाए गए विसर्जन कुंड में दुर्गा उत्सव समितियां बाजे-गाजे के साथ दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए देर शाम तक पहुंचते दिखे। नवमी के दिन विसर्जन कुंड में 30 दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ विसर्जन का शुरू हुआ सिलसिला तीसरे दिन भी जारी रहा। लोगों को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए रायपुर नगर निगम द्वारा विसर्जन कुंड स्थल पर तीन पाली में 90 गोताखोर की व्यवस्था की गई है। जो 24 घंटे विसर्जन कुंड स्थल पर शहर के विभिन्न स्थानों से विसर्जन के लिए लाई जा रही मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था में सहभागी बने हैं।

विसर्जन कुंड के आसपास लग रहा ढांचों का ढेर, पैरा, लकड़ी, पूजा सामग्री भी

विसर्जन कुंड के किनारे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान मूर्ति निर्माण और सजावट में प्रयुक्त लकड़ियों के ढांचे, पैरा, सूतली, बांस की खपच्ची सहित पूजन सामग्री का ढेर लगा हुआ है। इसके साथ ही मिट्टी से बनाया गया सांचा, पूजा में चढ़ाए गए कपड़े सहित अन्य तरह की सामग्री बिखरी हुई है। विसर्जन का सिलसिला पूरा होने के बाद कुंड सहित आसपास की सफाई के साथ ढांचा निकालने का काम जोन 8 की टीम द्वारा कराया जाएगा। वहीं लकड़ियों सहित अन्य तरह की काम में आने वाली सामग्री को निगम से अनुबंधित ठेकेदार अपने खर्च पर गाड़ियों में भरकर परिवहन की व्यवस्था करेगा।

दिवाली से पहले नगर सैनिकों ...

मानदेय मिलेगा। गृह विभाग के नए प्रस्ताव के अनुसार मूल मानदेय 19500 रुपए प्रतिमाह था। इसके अलावा महंगाई भत्ता (58 प्रतिशत) 11310 रुपए, तथा वर्दी धुलाई भत्ता 60 रुपए है। इस प्रकार कुल प्रस्तावित मानदेय 30870 रूपए प्रतिमाह मिलेगा।

रात में ठंडकता, दिन में तेज धूप...

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले तीन दिन तक बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। इसके बाद सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आने वाले बादल न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर थम जाएगा। बुधवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 33.4 और अंबिकापुर का 15.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है।

शुल्क 600 पर नियम ...

कारण आवेदन भी थोक में किए गए हैं, लेकिन पटाखा बिक्री करने के लिए जिला सेनानी एवं अग्निशमन विभाग द्वारा जारी गाइड लाइन तथा लाइसेंस जारी करने के नियम काफी सख्त है। यही कारण है कि आवेदक भी नियमों के तहत आवेदन करते नहीं हैं, जिससे ज्यादातर आवेदन रिजेक्ट किए जा रहे हैं।

वोट बचाओ–देश बचाओ आंदोलन के तहत कांग्रेस ने बाइक रैली निकाली, ज्ञापन सौंपा

आरंग। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के *वोट बचाओ–देश बचाओ आंदोलन के तहत जिला रायपुर ग्रामीण प्रभारी पंडित सुरेंद्र शर्मा की उपस्थिति और पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया के मार्गदर्शन में आरंग के राजीव भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे की विशेष उपस्थिति रही। आरंग ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कोमल साहू एवं आरंग शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पार्षद खिलावन निषाद द्वारा आयोजित इस बैठक में आरंग विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों, बूथ लेवल एजेंटों, ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्यों, जिला पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने भाग लिया। बैठक के



पश्चात कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोटरसाइकिल रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय आरंग पहुंचकर प्रदर्शन किया।

यहां जिला प्रभारी पंडित सुरेंद्र शर्मा ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत मताधिकार के महत्व को रेखांकित करते हुए वोट बचाओ–देश बचाओ संकल्प पत्र का वाचन किया। संकल्प वाचन के पश्चात राष्ट्रगान हुआ, जिसके बाद कांग्रेसजनों ने कलेक्टर के नाम एसडीएम आरंग को ज्ञापन सौंपा। तत्पश्चात बस स्टैंड आरंग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे की मांग की गई। पंडित सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रहना आवश्यक है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 326 वयस्क मताधिकार के सिद्धांत का आधार है।

मताधिकार लोकतंत्र की आत्मा

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा कि मताधिकार लोकतंत्र की आत्मा है और प्रत्येक पात्र नागरिक के वोट की रक्षा करना आवश्यक है। कांग्रेस कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंचकर मतदाताओं को जागरूक करेंगे तथा मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि रायपुर ग्रामीण जिले के सभी ब्लॉकों में वोट बचाओ–देश बचाओ अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

सिंचाई पानी देने व बिजली कटौती बंद करने की मांग

आरंग। क्षेत्र में धान की फसल को पकने के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किसानों ने नहरों में अक्टूबर माह के अंतिम दिन तक सिंचाई पानी जारी रखने की मांग की है। किसानों का कहना है कि देर से पकने वाली धान की फसल को पर्याप्त पानी मिलने से उसके पकने में मदद मिलेगी। वहीं, जिन खेतों में नहरों से सिंचाई की सुविधा नहीं है, वहां किसान नदी-नालों और ट्यूबवेल के माध्यम से फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। लेकिन लगातार बिजली कटौती के कारण सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है और किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने धान की फसल को नुकसान से बचाने के लिए नहरों में अक्टूबर के अंत तक पानी देने तथा सिंचाई के समय बिजली कटौती बंद करने की मांग की है।

अधिकारी कर्मचारी साख सहकारी समिति मर्यादित नया रायपुर पंजीयन क्रमांक 413
पंजीयन दिनांक 1 जुलाई 2017
(ब्लॉक-2, भूतल, इंद्रावती भवन, नया रायपुर, छत्तीसगढ़)

क्रमांक Q / सह / साख / समिति **वार्षिक आम सभा की सूचना** दिनांक 16/10/2026

विषय :- 9वीं वार्षिक आम सभा की सूचना बाबत।

समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की 9वीं वार्षिक आम सभा दिनांक 30 अक्टूबर 2026 दिन शुक्रवार को समय अपरान्ह 1:30 बजे अपरान्ह से 3:00 बजे दोपहर तक सभा कक्ष क्रमांक 2, ऐसेसरी ब्लॉक, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़ में आयोजन किया जा रहा है, अतः आपसे अनुरोध है कि संस्था की वार्षिक आम सभा में अपनी उपस्थिति देकर हमें अनुग्रहित करने का कष्ट करेंगे। बैठक के एजेंडे निम्नानुसार हैं।

1. वार्षिक वित्तीय पत्रक वर्ष 2025 - 26 का प्रस्तुतीकरण अनुमोदन। 2. बजट प्रस्ताव सत्र 2026-27 सभा के समक्ष प्रस्तुत करना। 3. संस्था के सत्र 2025-26 एवं 2026-27 हेतु सहकारिता विभाग के अंकेक्षक से अंकेक्षण कराने हेतु प्रस्ताव। 4. संस्था के लाभांश के रूप में उपहारों का वितरण। 5. अंशपूंजी प्रमाण पत्रों का वितरण। 6. संस्था के एक वर्ष के कार्यकलाप एवं बचत योजनाओं की जानकारी से सदस्यों को अवगत कराना। 7. नवीन बचत योजना को सदस्यों को अवगत कराना। 8. अन्य प्रस्ताव संचालक मण्डल की अनुमति से।

भवदीय
(संदीप कुमार नेताम)
अध्यक्ष- अधिकारी कर्मचारी साख सहकारी समिति
मर्यादित, नया रायपुर छ.ग. पंजीयन क्रमांक 413







विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

संतोषी नगर में विश्व कल्याण के लिए किया हवन



रायपुर। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर गायत्री प्रज्ञा पीठ संतोषीनगर टिकरापारा स्थित गायत्री मंदिर में 41 ज्योति प्रज्वलित की गई। इस अवसर पर अष्टमी के दिन 5 कुण्डीय यज्ञ कर मां दुर्गा से मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित करने वाले सभी भक्तजनों एवं विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना कर पूर्णाहूति, हवन संपन्न किया गया। यह जानकारी कोमल देवांगन ने देते हुए बताया कि इस अवसर पर गायत्री परिवार परिजन हरिराम साहू, आरके साहू, एचएल साहू, नोकलाल साहू, दीनानाथ साहू, बेनीराम साहू, रामेश्वर पटेल, दिलीप निषाद, अर्चना गुप्ता, सीताराम संध्या वर्मा, निर्मला साहू, गायत्री पटेल, भारती ठाकुर, केसर सेन, बिटावन निषाद, रमशीला साहू, जानकी निषाद सहित मोहल्लेवासी शामिल हुए।

जाति प्रमाण पत्र सरलीकरण आदेश देकर राष्ट्रपति से नुआखाई उपहार देने का आग्रह

रायपुर। देश की प्रथम नागरिक एवं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 22 एवं 23 नवंबर को छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान बस्तर एवं राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बीच जानकारी के अनुसार रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित नुआखाई में भाग लेंगी। गांड़ा समाज के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके हस्तक्षेप से गांड़ा समाज के लाखों विद्यार्थियों एवं परिवारों को जाति प्रमाण पत्र की समस्या से राहत मिलेगी और उनके शिक्षा एवं रोजगार के अधिकारों का मार्ग प्रशस्त होगा। इसी दौरान राष्ट्रीय गांड़ा महासमाज के संस्थापक अधिवक्ता भगवानू नायक, राष्ट्रीय प्रभारी बनमाली छुरा, सलाहकार मंडल अध्यक्ष मनमोहन कुमार ने छत्तीसगढ़ की पावन धरा में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में निवासरत गांड़ा समुदाय के लाखों परिवारों के बच्चों एवं छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र बनवाने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

निधन

विमला देवी शर्मा

रायपुर। कोटा निवासी विमला देवी (80) का 21 अक्टूबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 22 अक्टूबर को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से कोटा मारवाड़ी श्मशान घाट के लिए निकलेगी। वे स्व. शरद शर्मा की माता एवं मनोज शर्मा और ईशांक शर्मा की दादी थीं।



दीपक मित्तल

रायपुर। राजीव नगर निवासी संजय ग्रेन्स प्राइवेट लिमिटेड रायपुर के संचालक दीपक मित्तल का 21 अक्टूबर को चंडीगढ़ में निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 22 अक्टूबर को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशान घाट के लिए निकलेगी। वे प्रदीप मित्तल, संजय मित्तल के भाई और हिमांशु मित्तल के पिता थे।



:: आम सूचना ::

"भूखंड क्र.-7, खसरा क्र.- 637/289 (शामिल खसरा क्र.-638/287, 639/287, 640/287, 641/287, 645/290, 658/287, 659/287, 660/287 & 661/287) रकबा - 1526 वर्ग फूट है जो कि, वुड आई लैंड, ग्राम-अमलेश्वर, प.ह.न.-5 (पुराना)/3 (नया), तहसील-पाटन व जिला - दुर्ग (छ.ग.) में स्थित है" के संबंध में आम सूचना -

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित संपत्ति वर्तमान में मेरे पक्षकार श्रीमती स्मिता सिंह पति मृत्युंजय सिंह के स्वत्व व आधिपत्य की संपत्ति है, उक्त संपत्ति से संबंधित पूर्व का एक विक्रय विलेख जिसका निष्पादन आस्क रियल्टी व डेवलपर लिमिटेड व अन्य द्वारा एक शशि शुक्ला पति एस.के. शुक्ला के पक्ष में किया गया था, जिसका पंजीयन दिनांक 21.10.2010 को पुस्तक क्र.-अति-1, ग्रंथ क्र.-2137 में दस्तावेज/पंजीयन क्र.-1941 देकर उप - पंजीयक कार्यालय, पाटन, दुर्ग में किया गया था। आज दिनांक को गुम हो जाने की पूर्ण संभावना है और इसके संबंध में पुलिस थाना, अमलेश्वर, पाटन दुर्ग के समक्ष दिनांक 17.10.2026 को सूचना दी गई है।

अतः यदि उपरोक्त गुम मूल विक्रय विलेख के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई भी संव्यवहार अवैधानिक तरीके से कूट-रचना कर अनुचित लाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि द्वारा किया जाता है, अथवा किया गया है तो वह आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आवेगा। यदि ऐसे किसी संव्यवहार से किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि को हानि पहुंची हो अथवा कोई दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 (पंद्रह) दिवस के भीतर मेरे निम्नलिखित पते पर मय दस्तावेज आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध तथा शून्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी व वह जैसे चाहे उस रूप में अन्यथा अंतरण करने हेतु स्वतंत्र होवेगा। सो सूचना जाने।

स्थान - रायपुर दिनांक - 21.10.2026

मनीष मल्होत्रा, अधिवक्ता
जी-7, सैक्टर-1, अवन्ती विहार,
रायपुर छ.ग., मो.नं.- 9826628916

दर्जनभर से ज्यादा सार्वजनिक स्थानों पर बनाए जा रहे आकांक्षी शौचालय, 2 करोड़ रुपए होंगे खर्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर की जनता को सार्वजनिक स्थलों पर सार्वजनिक प्रसाधन की सुविधा दिलाने रायपुर नगर निगम 13 जगहों पर आकांक्षी शौचालय बनवा रहा है। इसमें 10 जगहों पर 10 सीटर और 3 जगहों पर 6 सीटर आकांक्षी शौचालय बनाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए रायपुर नगर निगम को 2 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। स्वच्छ भारत मिशन-2 के तहत आकांक्षी शौचालय का निर्माण कराने ऑनलाइन टेंडर कर दो एजेंसियों के साथ अनुबंध कर वर्कआर्डर दिया गया है। संबंधित एजेंसियों ने चिन्हांकित जगहों पर शौचालय निर्माण का कार्य प्रमुखता से शुरू कराया है। महानगर की तर्ज पर अब रायपुर में भी सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने 13 स्थानों पर सर्व सुविधा युक्त आकांक्षी शौचालय का निर्माण हो रहा है, जिसमें महिलाओं के लिए फीडिंग रूम, नैपकिन वेंडिंग मशीन, आटोमैटिक सोप डिस्पेंसर के साथ लोगों के लिए हाथ सुखाने वाली मशीन तथा सेंसरयुक्त यूरिनल स्पेस रहेगा। नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देश पर नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन शाखा ने आकांक्षी शौचालय निर्माण के लिए शहर में दर्जनभर से ज्यादा लोकेशन चयनित कर कार्य आदेश पहले ही जारी कर दिया है।

10 स्थानों पर 10 सीटर और 3 स्थानों पर 6 सीटर आकांक्षी शौचालय



फाइल फोटो

इन स्थानों पर आकांक्षी शौचालय

- ठाकुर प्यारेलाल वार्ड - आमापारा स्थित मंगल बाजार
- शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड - कारी तालाब के पास आमापारा
- महामाया मंदिर वार्ड - दूधाधारी मठ के पास
- पंडित ईश्वरीचरण शुक्ल वार्ड - रविवि परिसर स्थित बंजारी मंदिर के पास
- स्वामी विवेकानंद-सदर बाजार वार्ड- बूढ़ातालाब के पास
- पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड - कलेक्टोरेट परिसर के पास
- मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड - निगम मुख्यालय गांधी सदन के सामने
- महामाया मंदिर वार्ड - पुरानी बस्ती महामाया मंदिर के पास
- डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड - मारवाड़ी श्मशान घाट के पास
- स्वामी आत्मानंद वार्ड - जीई रोड सेंट्रल लाईब्रेरी के पास
- रानी दुर्गावती वार्ड - राम मंदिर के पास
- लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित वार्ड - आदर्श नगर बैरनबाजार के पास

अमलीडीह मार्ग शाम होते ही चौपाटी में तब्दील

सड़क के दोनों तरफ लग रहे ठेला गुमटियां, ट्रैफिक जाम से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर का अमलीडीह मार्ग शाम होते ही चौपाटी में तब्दील हो जाता है। इस मार्ग की सड़क के दोनों तरफ ठेला-गुमटियों की दुकानें लग जाती हैं, जिसका असर आवागमन में पड़ रहा है। सड़क के दोनों तरफ लग रही फूड, फल-सब्जी की अस्थाई दुकानों के कारण सड़कों पर गाड़ियां बेतरतीब तरीके से पार्क की जाती हैं, जिससे इस मार्ग पर शाम 6 बजे से लेकर रात 9.30 बजे तक जाम की स्थिति रहती है। हैरत वाली बात यह है कि इस मार्ग के कुछ दूरी पर पुलिस थाना और नगर निगम जोन-10 दफ्तर भी है। पुलिस दिन-रात यहां गश्त करती है, वहीं जोन कमिश्नर से लेकर तमाम निगम के अधिकारी-कर्मचारी भी इसी मार्ग से दफ्तर आना-जाना करते हैं। इसके बाद भी अवैध रूप से सड़क पर लगाई जा रही इन दुकानों को हटाने संबंधी पहल या कार्रवाई नहीं की गई है।



आवारा मवेशियों का भी जमावड़ा

इस मार्ग पर आवारा मवेशियों का भी जमावड़ा लगा रहता है। इसके कारण भी इस मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार तो मवेशियों के कारण यहां दोपहिया सवार लोग दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं। इन आवारा मवेशियों को हटाने की भी कार्रवाई जोन द्वारा नहीं की जा रही है।

फूड जोन की मांग

इस क्षेत्र के पार्षद से लेकर सामाजिक संगठन से जुड़े लोग कई बार इस मार्ग पर जाम की स्थिति को देखते हुए फूड जोन की मांग कर चुके हैं। फूड जोन बनने से सड़क पर दुकाने नहीं लगेंगी। इससे आवागमन सुगम एवं सुचारू रुप से होगा।

सुबह-शाम लगता है सब्जी-फल बाजार

अमलीडीह मार्ग में सुबह 6 बजे से 11 बजे तक तथा शाम को 4 बजे से रात 8 बजे तक सब्जी बाजार भी लगता है। सुबह के समय रोड किनारे सब्जी, फल बाजार लगने से आवागमन पर कम असर पड़ता है, लेकिन शाम के समय सब्जी, फल बाजार के साथ इस मार्ग पर फूड की अनेकों दुकानें लगती हैं। इन दुकानों में पहुंचने वाले ग्राहक सड़क पर गाड़ियां खड़ी करते हैं, जिसके कारण शाम के समय सड़क के दोनों तरफ की 5-5 मीटर सड़क पर दुकानों का कब्जा रहता है। इससे सड़क पर आवागमन करने वाली गाड़ियों को स्पेस कम मिलता है, जिससे जाम की स्थिति बनती है।

टाटीबंध में एमपी ढाबा की स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण गंदगी मिलने पर जुर्माना

- जन शिकायत पर जोन 8 के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया औचक निरीक्षण
- कंपोस्ट पिट नहीं मिलने और सफाई में लापरवाही पर 10 हजार रुपए ई जुर्माना



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन 8 के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बुधवार को जनशिकायत मिलने पर टाटीबंध ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एमपी ढाबा की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ढाबा में गंदगी मिली और नियम अनुसार एसटीपी की व्यवस्था नहीं करना पाया गया। वहीं कंपोस्ट पिट नहीं मिलने पर संबंधित ढाबा संचालक को कड़ी चेतावनी देते हुए तत्काल 10 हजार रुपए ई-जुर्माना किया। इसी तरह जोन 8 क्षेत्र के टाटीबंध जीई मार्ग पर एम्स हास्पिटल के सामने 10 ठेलों में स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण करने पर गंदगी मिलने और डस्टबिन नहीं रखने पर ठेला वालों को भविष्य के लिए सावधानी बरतने की चेतावनी देते हुए 5,100 रुपए का जुर्माना किया गया। टाटीबंध के ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में स्थित एमपी ढाबा में सफाई को लेकर शिकायत मिलने पर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के आदेश और जोन 8 कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देश पर जोन 8 स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा की टीम ने वस्तुस्थिति की जानकारी लेने स्वच्छता व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान स्थल पर जन शिकायत सही मिलने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का पालन नहीं करने पर संबंधित ढाबा संचालक पर 10 हजार रुपए ई-जुर्माना किया।

डेढ़ हजार से ज्यादा पुलिस जवानों की तैनाती

राष्ट्रपति के आगमन पर एक दर्जन से ज्यादा मार्गों पर आवाजाही प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के गुरुवार को छत्तीसगढ़ प्रवास को देखते हुए शहर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। शहर के आउटर के साथ रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बस स्टैंड में हर आने-जाने वालों की निगरानी की जा रही है। राष्ट्रपति दोपहर 12.30 बजे एयरपोर्ट से लोकभवन पहुंचेंगी, फिर बूढ़ापारा इनडोर स्टेडियम में कार्यक्रम के बाद नवा रायपुर मुख्यमंत्री निवास जाएंगी। वहां से लौटकर रात्रि लोक भवन में विश्राम करेंगी। दूसरे दिन सुबह 9.15 बजे बस्तर जाकर शाम को रायपुर लौटेंगी और एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना होंगी।



संजीव शुक्ला और अमरेश मिश्रा को जिम्मेदारी

राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए रायपुर में व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला को दी गई है और उनकी मदद के लिए पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा को जिम्मेदारी दी गई है। बस्तर में सुरक्षा की कमान आईजी बद्री नारायण मीणा संभालेंगे। इसके अलावा करीब आधा दर्जन डीआईजी, दर्जनभर से अधिक आईपीएस, 50 से अधिक एएसपी, डीएसपी की ड्यूटी लगाई गई है।

इन मार्गों पर आवाजाही पर रोक

- पुराना पुलिस मुख्यालय से राजभवन चौकः वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी, कलेक्टोरेट चौक से आवाजाही कर सकते हैं।
- एलआईसी ऑफिस से सिविल लाइंस रोडः सड़क बंद रहेगी, आयकर भवन के पास से वैकल्पिक रास्ता
- राजभवन चौक से सप्रे शालाः इनडोर स्टेडियम जाते समय काली माता मंदिर और महिला थाना होते हुए सप्रे शाला रोड तक आधे घंटे पहले रोका जाएगा।
- बूढ़ेश्वर चौक से राजभवन चौकः वापसी के दौरान महिला थाना और ओसीएम चौक होते हुए यातायात बंद रहेगा।
- माना एयरपोर्ट से लोकभवनः वीआईपी रोड, एक्सप्रेस-वे, शंकर नगर ब्रिज, एसआरपी चौक होते हुए मार्ग आधे घंटे बंद रहेगा।
- लोकभवन से माना एयरपोर्टः वापसी के दौरान एसआरपी चौक, शंकर नगर और एक्सप्रेस-वे होते हुए माना तक आवाजाही करने पर रोक।

संत रविदास सम्मान के लिए 26 अक्टूबर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा सामाजिक समरसता, साहित्य और काव्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय 'संत रविदास सम्मान' के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में 26 अक्टूबर तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। संस्कृति विभाग द्वारा संत रविदास जी के सामाजिक समानता, समरसता और मानव कल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाने तथा साहित्य एवं काव्य के क्षेत्र में दीर्घकालीन साधना और विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस राज्य स्तरीय सम्मान की स्थापना की गई है। इस पहल के माध्यम से सामाजिक समानता, साहित्यिक सृजन और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्य करने वाली प्रतिभाओं को पहचान एवं प्रोत्साहन मिलेगा।

26 अक्टूबर तक जमा कर सकेंगे आवेदन

संस्कृति विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार संत रविदास सम्मान के लिए निर्धारित प्रारूप में प्रविष्टियां 26 अक्टूबर को शाम 5:30 बजे तक जमा की जा सकेंगी। आवेदक अपनी प्रविष्टियां संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा, द्वितीय तल, व्यावसायिक परिसर, सेक्टर-27, अटल नगर, नवा रायपुर में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। सम्मान के लिए आवेदन की निर्धारित प्रक्रिया, प्रारूप एवं अन्य विस्तृत जानकारी संस्कृति विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

बोर्ड परीक्षा केंद्र बदलने के निर्णय को निरस्त करने की मांग की



रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के पूर्व सदस्य एवं शिक्षाविद संजय जोशी ने ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में बोर्ड परीक्षा केंद्र बदलने के निर्णय को निरस्त करने की मांग की है। शिक्षाविद संजय जोशी ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल स्वयं की व्यवस्था दुरस्त न करके विद्यार्थियों को सजा दे रहा है। उन्होंने ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में दसवीं, बाहरवीं बोर्ड में विद्यार्थियों के परीक्षा केंद्र बदलने को शिक्षा विभाग के अधिकारियों का तुगलकी फरमान बताया है। श्री जोशी ने कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकारी जमीनी हकीकत से कोसों दूर है, विभाग को विद्यार्थियों की सुरक्षा और उनके हितों की चिंता नहीं है। ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र में हायर सेकेंडरी स्कूलों की दूरी 10 से 12 किमी होती है.आंतरिक क्षेत्रों में तो परिवहन व्यवस्था का भी अभाव है। बोर्ड परीक्षा के समय जब विद्यार्थी का एक-एक मिनट कीमती होता है तब उन्हें परीक्षा देने 10 से 12 किमी दूर भेजने का निर्णय अनेक प्रश्नों को जन्म देता है। अत्यंत आश्चर्जनक पहलू यह है कि शिक्षा अधिकारियों ने ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों की छात्राओं की परेशानियों की ओर गौर ही नही किया। छात्राओं के लिए परीक्षा देने इतनी अधिक दूर जाना अत्यंत दुष्कर होगा। साथ ही छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टि से भी यह उचित नही है, सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में तो अच्छी सड़को का भी अभाव है।

हार्ट सर्जन डा. कृष्णकांत साहू और बेटे आर्यन ने जीता स्केटिंग में गोल्ड



रायपुर। ऑपरेशन थियेटर में जिंदगियां बचाने के लिए 6000 से अधिक सफल हार्ट, चेस्ट और खून की नसों (वैस्कुलर) की सर्जरी कर चुके आंबेडकर अस्पताल के कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विभागाध्यक्ष, डॉ. कृष्णकांत साहू ने 'एंड्योरेंस छत्तीसगढ़ स्टेट चैंपियनशिप 2026-27' में दो स्वर्ण पदक जीतकर एक अनूठी और प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। उनके साथ बेटे आर्यन ने भी इस चैंपियनशिप के अंडर-16 आयु वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए है। पिता-पुत्र की जोड़ी जनवरी माह में बेलगाम (कर्नाटक) में होने वाली आगामी नेशनल स्केटिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेगी। 11 अक्टूबर को हुई इस राज्यस्तरीय स्पर्धा में विभिन्न वर्गों में लगभग 570 स्केटर्स ने हिस्सा लिया था। डॉ. साहू ने बताया कि उनके अंदर स्केटिंग का यह जुनून उनके बेटे आर्यन के कारण ही जगा।

पेंशनरों को 2 प्रतिशत पेंशन और एरियर भुगतान की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज ने राज्य सरकार से पेंशनरों को 1 जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत राहत पेंशन देने और बकाया एरियर का भुगतान करने की मांग की है। समाज के प्रांताध्यक्ष चेतन भारती ने कहा, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के आदेश के बावजूद पेंशनरों को राहत नहीं मिल रही है। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने एक जनवरी 2000 के बाद सेवानिवृत्त कर्मचारियों को छठवें एवं सातवें वेतनमान के अनुसार क्रमशः 32 और 27 माह के एरियर भुगतान संबंधी आदेश 31 जुलाई तक जारी करने के निर्देश दिए थे। समाज ने दीपावली के अवसर पर राहत पेंशन और बकाया राशि के भुगतान के लिए तत्काल आदेश जारी करने की मांग की है।

अधिकारी कर्मचारी साख सहकारी समिति मर्यादित नया रायपुर पंजीयन क्रमांक 413
पंजीयन दिनांक 1 जुलाई 2017
(ब्लॉक-2, भूतल, इंद्रावती भवन, नया रायपुर, छत्तीसगढ़)

क्रमांक Q / सह / साख / समिति **वार्षिक आम सभा की सूचना** दिनांक 16/10/2026

विषय :- 9वीं वार्षिक आम सभा की सूचना बाबत।

समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की 9वीं वार्षिक आम सभा दिनांक 30 अक्टूबर 2026 दिन शुक्रवार को समय अपरान्ह 1:30 बजे अपरान्ह से 3:00 बजे दोपहर तक सभा कक्ष क्रमांक 2, ऐसेसरी ब्लॉक, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़ में आयोजन किया जा रहा है, अतः आपसे अनुरोध है कि संस्था की वार्षिक आम सभा में अपनी उपस्थिति देकर हमें अनुग्रहित करने का कष्ट करेंगे। बैठक के एजेंडे निम्नानुसार हैं।

1. वार्षिक वित्तीय पत्रक वर्ष 2025 - 26 का प्रस्तुतीकरण अनुमोदन। 2. बजट प्रस्ताव सत्र 2026-27 सभा के समक्ष प्रस्तुत करना। 3. संस्था के सत्र 2025-26 एवं 2026-27 हेतु सहकारिता विभाग के अंकेक्षक से अंकेक्षण कराने हेतु प्रस्ताव। 4. संस्था के लाभांश के रूप में उपहारों का वितरण। 5. अंशपूंजी प्रमाण पत्रों का वितरण। 6. संस्था के एक वर्ष के कार्यकलाप एवं बचत योजनाओं की जानकारी से सदस्यों को अवगत कराना। 7. नवीन बचत योजना को सदस्यों को अवगत कराना। 8. अन्य प्रस्ताव संचालक मण्डल की अनुमति से।

भवदीय
(संदीप कुमार नेताम)
अध्यक्ष- अधिकारी कर्मचारी साख सहकारी समिति
मर्यादित, नया रायपुर छ.ग. पंजीयन क्रमांक 413

पेज 11 के शेष

डीजे-धुमाल की...

साथ विजयादशमी के दूसरे दिन में राजधानी रायपुर के खारुन नदी तट पर स्थित महादेवघाट के समीप नगर निगम द्वारा बनाए गए विसर्जन कुंड में दुर्गा उत्सव समितियां बाजे-गाजे के साथ दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए देर शाम तक पहुंचते दिखे। नवमी के दिन विसर्जन कुंड में 30 दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ विसर्जन का शुरू हुआ सिलसिला तीसरे दिन भी जारी रहा। लोगों को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए रायपुर नगर निगम द्वारा विसर्जन कुंड स्थल पर तीन पाली में 90 गोताखोर की व्यवस्था की गई है। जो 24 घंटे विसर्जन कुंड स्थल पर शहर के विभिन्न स्थानों से विसर्जन के लिए लाई जा रही मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था में सहभागी बने हैं।

विसर्जन कुंड के आसपास लग रहा ढांचों का ढेर, पैरा, लकड़ी, पूजा सामग्री भी

विसर्जन कुंड के किनारे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान मूर्ति निर्माण और सजावट में प्रयुक्त लकड़ियों के ढांचे, पैरा, सूतली, बांस की खपच्ची सहित पूजन सामग्री का ढेर लगा हुआ है। इसके साथ ही मिट्टी से बनाया गया सांचा, पूजा में चढ़ाए गए कपड़े सहित अन्य तरह की सामग्री बिखरी हुई है। विसर्जन का सिलसिला पूरा होने के बाद कुंड सहित आसपास की सफाई के साथ ढांचा निकालने का काम जोन 8 की टीम द्वारा कराया जाएगा। वहीं लकड़ियों सहित अन्य तरह की काम में आने वाली सामग्री को निगम से अनुबंधित ठेकेदार अपने खर्च पर गाड़ियों में भरकर परिवहन की व्यवस्था करेगा।

दिवाली से पहले ...

मानदेय मिलेगा। गृह विभाग के नए प्रस्ताव के अनुसार मूल मानदेय 19500 रुपए प्रतिमाह था। इसके अलावा महंगाई भत्ता (58 प्रतिशत) 11310 रुपए, तथा वर्दी धुलाई भत्ता 60 रुपए है। इस प्रकार कुल प्रस्तावित मानदेय 30870 रूपए प्रतिमाह मिलेगा।

रात में ठंडकता...

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले तीन दिन तक बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। इसके बाद सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आने वाले बादल न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर थम जाएगा। बुधवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 33.4 और अंबिकापुर का 15.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है।

शुल्क 600 पर ...

कारण आवेदन भी थोक में किए गए हैं, लेकिन पटाखा बिक्री करने के लिए जिला सेनानी एवं अग्निशमन विभाग द्वारा जारी गाइड लाइन तथा लाइसेंस जारी करने के नियम काफी सख्त है। यही कारण है कि आवेदक भी नियमों के तहत आवेदन करते नहीं हैं, जिससे ज्यादातर आवेदन रिजेक्ट किए जा रहे हैं।



खबर संक्षेप



कल से राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्कूली खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और विद्यार्थियों में खेल भावना विकसित करने के उद्देश्य से 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 26 अक्टूबर तक सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में किया जाएगा। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बिकापुर के क्रीड़ांगन में होगा।

एक्सपोर्ट ट्रेनिंग एवं वर्कशॉप आज

रायपुर। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमइ) को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने तथा निर्यात के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरएएमपी योजना के अंतर्गत एक्सपोर्ट ट्रेनिंग एवं वर्कशॉप आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को जिला पंचायत भवन कलेक्टर परिसर में सुब 10:30 बजे से शाम 4 बजे तक एक्सपोर्ट ट्रेनिंग वर्कशॉप आयोजित होगा। इसमें एमएसएमइ उद्यमियों, निर्माताओं, थोक व्यापारियों, सप्लायर्स, स्थानीय उत्पाद निर्माताओं तथा निर्यात शुरू करने के इच्छुक व्यक्ती रजिस्ट्रेशन करा सकते है। जो उद्यमी अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुचाना चाहते हैं या आईईसी कोड के लिए आवेदन की प्रक्रिया समझना चाहते हैं, वे प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने तथा आगामी बैचों की जानकारी प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। इससे पहले यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 अक्टूबर को आयोजित हुआ था। इस पहल के अंतर्गत लगभग 12 और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने प्रस्तावित है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 14 से 27 नवंबर तक

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाले 45वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, हस्तशिल्प, वनोपज और औद्योगिक विकास का प्रदर्शन किया जाएगा। इस वर्ष मेले की थीम 'विकास और विरासत' है। मुख्य सचिव विकासशील ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समय-सीमा में छत्तीसगढ़ पवेलियन का निर्माण और अन्य व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए। पवेलियन में कोदो, कुटकी, रागी, हर्बल उत्पाद, हथकरघा, हस्तशिल्प और जनजातीय कला को प्रमुखता दी जाएगी।

ग्रामीणों को मिली बैंकिंग एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने तथा केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बैंक ऑफ बड़ौदा के तत्वावधान में रायपुर जिले के धरसींवा में बैंक संतृप्ति शिविर (सैचुरेशन कैंप) आयोजित किया। इस शिविर में ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं, सामाजिक सुरक्षा, बीमा, पेंशन एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई, साथ ही योजनाओं से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के उप महाप्रबंधक प्रदीप गोधूले, बैंक ऑफ बड़ौदा के उप महाप्रबंधक प्रखर कुमार, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) के सहायक महाप्रबंधक मनोज सिंह, बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक अंकित जायसवाल, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष केशरवानी तथा ग्राम पंचायत के सरपंच साहिल खान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मेडिकल पीजी की 452 सीटों पर प्रवेश के लिए पंजीयन और यूजी के स्ट्रे राउंड का एडमिशन आज से

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सात शासकीय सहित दस मेडिकल कालेजों में एमडी-एमएस की सीट

शासकीय और निजी मेडिकल कालेजों में एमडी-एमएस के शासकीय और अप्रवासी भारतीय नियतांश की कुल 452 सीटों पर एडमिशन के लिए पंजीयन और संस्था चयन की प्रक्रिया आज से प्रारंभ होगी। दूसरी ओर एमबीबीएस की रिक्त सीटों पर एडमिशन के लिए स्ट्रे राउंड का आयोजन भी आज से किया जाएगा। इस बार सात शासकीय और तीन निजी मेडिकल कालेजों में पीजी की सीट है जिसके लिए संस्था चयन का काम 28 अक्टूबर तक पूरा होगा। वहीं एमबीबीएस-बीडीएस की 149 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने तीन दिन का वक्त दिया गया है। एमडी-एमएस की सीटों पर एडमिशन के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने पंजीयन और संस्था चयन की तारीख तय कर दी है। इसके लिए नीट पीजी 2026 में श्रेणीवार 50 से 40 परसेंटाइल वाले पात्र अभ्यर्थी आवेदन करने के साथ संस्था चयन की प्रक्रिया 28 अक्टूबर तक पूरी कर सकेंगे। विभाग की ओर से शेड्यूल के साथ पिछले साल जारी प्रवेश नियम को लागू किया गया है। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में कुल सीटों का पचास प्रतिशत राज्य और पचास अखिल भारतीय कोटे का होगा। वहीं निजी मेडिकल कालेजों में 15 प्रतिशत सीट एनआरआई और 85 फीसदी सीटें राज्य कोटे की होगी। अभा. कोटे की सीट का आवंटन दिल्ली से होगा वहां राज्य और एनआरआई कोटे का आवंटन पात्र अभ्यर्थियों को चिकित्सा शिक्षा विभाग की काउंसिलिंग कमेटी करेगी। इसके लिए पंजीयन और संस्था चयन का काम 22 से 28 अक्टूबर के बीच किया जाएगा।

दूसरी ओर तीसरे राउंड के बाद खाली बची 180 में से 149 सीटों का आवंटन कर दिया गया है जिस पर एडमिशन 22 से 24 अक्टूबर के बीच पूरा किया जाएगा। वर्तमान में एमबीबीएस की कुल 87 सीट खाली बची है जिसमें से 85 प्रायवेट मेडिकल कालेज की है।



मेडिकल कालेजों में एमडी-एमएमस की सीट

कालेज	कुल	अभा.	राज्य कोटा
रायपुर	146	74	72
बिलासपुर	91	43	48
जगदलपुर	28	15	13
रायगढ़	42	21	21
नांदगांव	18	10	08
अंबिकापुर	40	20	20
कोरबा	13	07	06

निजी कोटा	कुल सीट	एनआरआई	राज्य कालेज
बालाजी	100	15	85
रिम्स	63	09	54
शंकराचार्य	101	15	86

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा विदेशी पर्यटकों और राजस्व के जारी आंकड़ों से खुली पोल

पर्यटन स्थलों से विदेशी सैलानियों ने मुंह मोड़ा पिछले दो सालों में 50 फीसदी घटी संख्या

संजय जोशी ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर पाने में नाकाम साबित हो रहा है। बीते तीन वर्षों में प्रदेश के पर्यटन स्थलों में आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या 50 फीसदी तक घट गई है। सैलानियों की संख्या में लगातार साल दर साल गिरावट आने से विभाग को होने वाली आय भी चौपट हो गई है। विदेशी सैलानियों की संख्या में आई कमी को लेकर विभाग के अधिकारी व पदाधिकारी अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की यात्रा योजनाएं और बदली हुई परिस्थितियों का प्रभाव बता रहे हैं, जबकि विदेशी पर्यटकों का छत्तीसगढ़ पर्यटन स्थलों से मोह भंग होने का प्रमुख कारण वैश्विक स्तर पर कमजोर ब्रांडिंग, अब तक बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी का अभाव, सुरक्षा, प्रशिक्षित मानव संसाधन जैसे विदेशी भाषा जानने वाले गाइड, अंतरराष्ट्रीय स्तर की हॉस्पिटैलिटी सेवाएं और सुगम पर्यटक सहायता केंद्रों की कमी को माना जा रहा है। बता दें कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ पर्यटन को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने का रोडमैप बना चुकी है। इतना ही नहीं, इसके लिए राज्य सरकार ने बजट 2026-27 में 5 वर्षीय रोडमैप के साथ 100 करोड़ का वार्षिक प्रावधान भी किया है। ऐसे में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि वह राज्य सरकार के उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में काम नहीं कर पा रही है। अगर इसी तरह से पर्यटन स्थलों से विदेशी पर्यटकों का आना कम होता रहेगा, तो ऐसे में गोवा, केरल या राजस्थान की तरह छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की वैश्विक स्तर पर पहचान का सपना कैसे पूरा होगा।



विभाग की कमाई भी चौपट

ऐसे समझें साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या में गिरावट

छत्तीसगढ़ पर्यटन स्थलों में 2018 से 2020 तक के प्राप्त विदेशी आंकड़ों और 2024 से 2026 सितंबर तक के आंकड़ों का तुलना करें तो जनवरी से लेकर दिसंबर 2018 के बीच छत्तीसगढ़ में कुल 14399 विदेशी पर्यटक, साल 2019 से लेकर 2021 तक 9145 पर्यटक, साल 2020 में 2322 पर्यटक, साल 2024 में 3485 पर्यटक, 2025 में 1514 और 2026 में सितंबर तक 1335 पर्यटक पहुंचे। यह आंकड़े बताते हैं कि 2018 के बाद इन वर्षों में तेजी से विदेशी पर्यटकों के संख्या घटी है।

पर्यटक आगमन के आंकड़ों में दिखाई देने में समय लगता है

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के उन्मूलन के बाद पर्यटन के लिए परिस्थितियां तेजी से अनुकूल हुई हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की यात्रा योजनाएं काफी पहले बनती हैं, इसलिए बदली हुई परिस्थितियों का प्रभाव वास्तविक पर्यटक आगमन के आंकड़ों में दिखाई देने में समय लगता है।

-**नीलू शर्मा**, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड

विश्व के 75 देशों से सिर्फ 822 पर्यटक पहुंचे

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा वर्ष 2025 में विश्व के 75 देशों से पहुंचने वाले विदेशी पर्यटकों के जारी आंकड़ों के मुताबिक महज 822 पर्यटक राज्य के विविध पर्यटन स्थलों के लिए पहुंचे। इनमें 24 देश ऐसे हैं, जहां से छत्तीसगढ़ पर्यटन के दीदार के लिए पहुंचने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या मात्र 1-1 रही। वहीं 7 देश से केवल 2-2 की संख्या में ही सैलानी आकर्षित कर पाए। अगर बात करें सबसे अधिक संख्या में पहुंचने वाले देश के पर्यटकों की, तो इसमें यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका से 107 सैलानी आए।

कुल पर्यटकों से तीन सालों में मात्र 20.89 करोड़ की कमाई

पर्यटन विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक 2024 से 2026 सितंबर तक लगभग तीन वर्षों में स्थानीय और विदेशी सभी पर्यटकों से विभाग को कुल 20.89 करोड़ रुपए राजस्व की आय हुई है। इसमें पर्यटन इकाइयों से प्राप्त राजस्व वर्ष 2024 में पर्यटन इकाइयों से 8.16 करोड़, वर्ष 2025 में 8.99 करोड़ तथा वर्ष 2026 में सितंबर तक 3.75 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। इस प्रकार पर्यटकों से होने वाले आय में भी भारी कमी पर्यटकों की संख्या के घटने का असर पड़ा है।

राजधानी सहित आउटर के इलाकों में 14 नई पानी टंकियों का प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर शहर के लगातार विस्तार और लोगों की पेयजल संबंधी मांगों को ध्यान में रखते हुए जल विभाग द्वारा जल घटक में राजधानी सहित उससे लगे आउटर के रहवासी इलाकों में पेयजल की जरूरत के हिसाब से 12 नई पानी टंकी और भनपुरी तथा आरडीए कालोनी टैगोर नगर में दो नई पानी टंकी, इस तरह 14 नई पानी टंकियों की सूची प्रस्तावित की गई है।

अलग-अलग जोन क्षेत्र में प्रस्तावित दर्जनभर से ज्यादा नई पानी टंकी बनाने की योजना है। इसके लिए हाल ही में महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में हुई एमआईसी की बैठक में जल विभाग के सदस्यों से राय ली गई। इसके अलावा नगर उत्थान योजना के तहत शहर के आउटर से लगे सड्डू क्षेत्र में 38 करोड़ की प्रस्तावित लागत से नई पानी टंकी बनाई जाएगी। इस नई पानी टंकी के निर्माण होने से सड्डू सहित आसपास के रहवासी इलाकों में पानी की समस्या दूर होगी। राजधानी सहित आसपास के आउटर इलाकों में पेयजल की समस्या दूर करने रायपुर नगर निगम 14 नए पानी टंकियों का निर्माण कराएगा। इसके लिए जोनवार प्रस्तावित नई पानी टंकियों की सूची तैयार कर इसका अनुमोदन कराया गया है।

सूत्रों के मुताबिक जल घटक में 12 प्रस्तावित नई पानी टंकी का निर्माण होना है। इसके लिए जल विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्र का सर्वे कर उपभोक्ताओं की संख्या और टंकी निर्माण से जुड़े तकनीकि पहलुओं पर भी विचार किया जा रहा है।



इन इलाकों में नई टंकियां प्रस्तावित

नगर निगम जोन 3	- पंडरी क्षेत्र के खादी ग्रामोद्योग वाला क्षेत्र
जोन 7 में	- समता कालोनी एरिया
नगर निगम जोन 6	- मठपुरैना गोकुलनगर वाला क्षेत्र
जोन 5	- माठागांव बीएसयूपी, वालफोर्ट सिटी और श्रीरामनगर चंगोराभाठा
जोन 8	- वीर सावरकर नगर वार्ड स्थित अटारी क्षेत्र
जोन 9	- पाम ब्लाजियो के पास मोवा
जोन 9	- मोतीलाल नेहरू वार्ड के कचना में भवानी नगर इलाका
जोन 9	- कचना में आनंदम के पास
जोन 10	- डूमतराई क्षेत्र, माता कौशिल्या विहार डूंडा क्षेत्र
जोन 1	- भनपुरी इलाका
जोन 6	- आरडीए कालोनी टैगोर नगर में

लभांडी-कचना-सड्डू योजना में 50 दावा आपत्तियां, सुनवाई के लिए समिति गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पौने तीन सौ भूमिस्वामियों की जमीन होगी अधिग्रहित

राजधानी रायपुर में प्रस्तावित लभांडी-कचना-सड्डू नगर विकास योजना को लेकर भूखंड आवंटन के प्रस्ताव पर आरडीए को 50 दावा-आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। आपत्तियों की सुनवाई के लिए रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) ने समिति गठित की है। समिति में जिला प्रशासन, नगर नियोजन विभाग और आरडीए के अधिकारियों को शामिल किया गया है। प्रस्तावित योजना के तहत लभांडी, कचना और सड्डू क्षेत्र के 275 से अधिक भूमिस्वामियों की जमीन अधिग्रहित की जानी है। इसके बदले प्रभावित भूमिस्वामियों को 40 प्रतिशत विकसित जमीन देने का प्रस्ताव है। योजना के संबंध में आरडीए की वेबसाइट पर अंतिम भूखंड आवंटन सूची जारी होने के बाद 16 सितंबर से दावा-आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं। 10 अक्टूबर तक आपत्तियां प्राप्त हुईं। अब इनकी सुनवाई के बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

आपत्तियों में पूछा गया आवंटन का आधार

योजना में कचना के नालापारा और अन्य क्षेत्र की जमीनें आएंगी। बताया गया है कि यहां पर अधिकांश बिल्डरों की कालोनी बनी हुई है, उनके बीच से रोड जा रही है। योजना का लाभ इन कॉलोनी निर्माताओं को अन्य जगहों पर जमीन देकर दिया जा रहा है।लोगों ने इस पर भी आपत्ति की है। ऐसे में योजना का मूल उद्देश्य किसी को फायदा पहुंचाना तो नहीं। वहीं कई अपत्तियां इस बात पर भी आई है कि योजना के 150 मीटर के दायरे में आने वाली जमीनों को अलग-अलग ढंग से लिया गया है। इनमें एक प्रकरण मंत्री केदार कश्यप के पत्नी की कंपनी को 20 करोड़ का प्लॉट सड़क पर देने पर भी सवाल उठाए गए हैं। बताया गया है कि अंतिम आवंटन सूची आने के बाद ही पता चलेगा किनको गलत तरीके से लाभ मिला है।



आरडीए और पीडब्ल्यूडी बनाएंगे सड़क

योजना के तहत सड्डू के शांति सरोवर से रिंग रोड-2 तक लगभग पांच किलोमीटर लंबी सड़क बनाने की योजना है। यह सड़क एमआर-43 फोरलेन मार्ग का हिस्सा होगी। इसके निर्माण से लभांडी, कचना और सड्डू क्षेत्र आपस में जुड़ेंगे। सड़क निर्माण की जिम्मेदारी रायपुर विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग को दी गई है। योजना के अनुसार करीब तीन किलोमीटर हिस्से का निर्माण आरडीए और शेष दो किलोमीटर सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग करेगा। सड़क निर्माण के लिए सर्वे का कार्य पूरा किया जा चुका है।

सुनवाई के बाद शुरू होगी योजना

आरडीए अध्यक्ष नंदे साहू के मुताबिक, दावा-आपत्तियों की सुनवाई के बाद प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर विचार किया जाएगा। इसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। भूमिस्वामियों की आपत्तियों के निराकरण और भूखंड आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद योजना के विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा सकेगा।

विभागीय टीईटी पर शासन की मुहर शिक्षक साझा मंच ने कहा अहम निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्कूल शिक्षा विभाग के 21 अक्टूबर 2026 के पत्र के अनुसार, सेवारत गैर-टीईटी शासकीय शिक्षकों के लिए निजी तकनीकी सेवा प्रदाता कंपनी के माध्यम से कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित करने और साल में न्यूनतम दो बार परीक्षा कराने पर सहमति दी गई है। परीक्षा की तारीख, आवेदन प्रक्रिया और विस्तृत दिशा-निर्देशों को लेकर शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग अगले आदेश का इंतजार है।

छत्तीसगढ़ में सेवारत गैर-टीईटी शिक्षकों के लिए विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने के प्रस्ताव पर शासन की सहमति मिलने से शिक्षकों के बीच उम्मीद जगी है। छत्तीसगढ़ शिक्षक साझा मंच ने इसे लंबे समय से जारी प्रयासों का परिणाम बताते हुए इस निर्णय पर प्रसन्नता जताई है।

शिक्षक साझा मंच के संचालक रविन्द्र राठौर ने कहा कि विभागीय टीईटी पर सहमति उन शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण कदम है, जो लंबे समय से इस विषय पर समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब शासन और विभाग को प्रक्रिया में अनावश्यक देरी किए बिना स्पष्ट आदेश जारी करना चाहिए, ताकि शिक्षकों को आगे की तैयारी के लिए निश्चित दिशा मिल सके।

शिक्षक साझा मंच के संचालक प्रदीप पांडेय ने कहा कि शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों पर लगातार आवाज उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने और प्रथम नियुक्ति से पूर्व सेवा की गणना कर क्रमोन्नति, पेंशन सहित पात्र सेवा लाभ दिलाने की मांग पर गंभीर निर्णय होना चाहिए। उनके अनुसार, वर्षों की सेवा देने वाले शिक्षकों को उनके सेवा अनुभव के अनुरूप लाभ मिलना चाहिए।

मंच के संचालक जाकेश साहू और लैलून भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि विभागीय टीईटी के बाद अब सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति का निराकरण, प्रथम नियुक्ति से सेवा गणना तथा क्रमोन्नति और पेंशन सहित समस्त पात्र सेवा लाभ प्रमुख मांगें रहेंगी।



एक ट्रांसपोर्ट एजेंसी के भरोसे शहर की राशन दुकानें, इसलिए भंडारण में आ रही दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम रायपुर क्षेत्र में उचित मूल्य की 298 दुकानें संचालित हैं। इन दुकानों में खाद्यान्न भंडारण करने के लिए पहले दो ट्रांसपोर्ट एजेंसियों के माध्यम से खाद्यान्न का भंडारण कराया जाता था। इनमें से एक एजेंसी का अनुबंध खत्म हो चुका है, जिसके बाद अब सिर्फ एक एजेंसी द्वारा ही दुकानों में खाद्यान्न का भंडारण कराया जा रहा है।

इसका असर अब दुकानों में हितग्राहियों को वितरण होने वाले खाद्यान्न पर देखा जा रहा है। ट्रांसपोर्ट एजेंसी के कम होने से नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों में गाड़ियां भी कम लग रही हैं। इसके कारण दुकानों में डिमांड के अनुसार समय पर खाद्यान्न पहुंच नहीं रहा है, जिसके कारण हितग्राहियों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। शहरी क्षेत्र में नगर निगम रायपुर और बिरगांव क्षेत्र की राशन दुकानों में खाद्यान्न वितरण के लिए होरा एवं जानम ट्रांसपोर्ट एजेंसियों को ठेका मिला हुआ था। इनमें से जानम ट्रांसपोर्ट का अनुबंध खत्म होने के बाद दोबारा अनुबंध के लिए आवेदन नहीं किया है।

इसके बाद से होरा ट्रांसपोर्ट एजेंसी ही अनुबंध के तहत नान के गोदामों को गाड़ियां उपलब्ध कराई जा रही हैं, जो अब कम पड़ रही हैं। गाड़ियां कम होने से दुकानों में भी खाद्यान्न का भंडारण की रफ्तार में 30 से 40 प्रतिशत तक गिरावट आई है। इस कारण से कई दुकानों में समय पर खाद्यान्न का भंडारण नहीं हो पा रहा है।



छोटे-बड़े वाहन के लिए अलग-अलग निकाला जाना चाहिए टेंडर

छत्तीसगढ़ पीडीएस संघ के अध्यक्ष नरेश बाफना ने कहा कि एक ट्रांसपोर्ट एजेंसी का अनुबंध खत्म होने के बाद अब तक विभाग ने टेंडर नहीं निकाला है। उन्होंने कहा कि अगर टेंडर निकाला जाता है, तो छोटे और बड़े वाहन के लिए अलग-अलग तथा दो से अधिक निकाला जाना चाहिए, ताकि दुकानों में खाद्यान्न का भंडारण समय पर हो सके। पूर्व में दो ट्रांसपोर्ट एजेंसी को ठेका मिला था। इसके बाद भी दुकानों में समय पर भंडारण नहीं किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि कई दुकानें गली-मोहल्लों में खुली हुई हैं। इन दुकानों में चावल रखने की क्षमता बहुत कम है, इसलिए छोटी गाड़ियों से भंडारण कराया जाता है, लेकिन अनुबंधित ट्रांसपोर्ट एजेंसी द्वारा छोटी वाहन बहुत कम उपलब्ध कराया जाता है, जिसके कारण छोटी एवं गली-मोहल्लों में संचालित दुकानों में सबसे ज्यादा चावल स्टॉक नहीं होने की समस्या रहती है।



हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937





बॉलीवुड-पंजाबी सिंगर जस्सी गिल और बाबला राय ने भांगड़ा ट्रेक और देशभक्ति गीतों से बांधा समां

चक दे इंडिया...., गीतों पर झूमे खिलाड़ी छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का रंगारंग आगाज

राजधानी के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में देश की पहली छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का रंगारंग और भव्य शुभारंभ हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन के ओपनिंग सेरेमनी को बॉलीवुड-पंजाबी सिंगर जस्सी गिल और बाबला राय ने अपने एनर्जिटिक परफार्मेंस देकर जोश और उत्साह का समां बांध दिया।दोनों ही कलाकारों ने युगल व सिंगल गायकी के दौरान चक दे इंडिया..., भांगडा ट्रैक वन करोड़..., बापू जी जमीदार..., यारा जट्ट दे..., यंगेस्टर रिटर्न्स... जैसे ऑल टाइम हिटी गानों की बैक टू बैक से प्रस्तुति से उद्घाटन समारोह को यादगार बना दिया।





रायपुर। वहीं स्थानीय कलाकारों ने छत्तीसगढ़ लोक गीतों, नृत्य और वाद्ययंत्रो, पारंपरिक परिधानों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से आयोजन से प्रदेश की कला संस्कृति से खिलाड़ियों, अतिथियों को रूबरू कराया। राज्य सरकार की एक अनूठी और दूरदर्शी पहल के तहत छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को एक नया और पेशेवर आयाम देने वाली देश की पहली छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का रंगारंग और भव्य शुभारंभ हुआ। चलव रे संगी हॉकी खेलबो के जीवंत उद्घोष के साथ शुरू हुई इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के ओलंपियनों, दिग्गज खिलाड़ियों और छत्तीसगढ़ के उभरते युवा खिलाड़ियों का एक अद्भुत संगम देखने को मिला। इस ऐतिहासिक आयोजन से राज्य के खेल जगत में प्रतिस्पर्धा का एक बिल्कुल नया दौर शुरू हो गया है, जो स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमकने का सुनहरा अवसर देगा।





छह प्रमुख फ्रेंचाइजी टीमों के बीच खिताबी मुकाबला

इस रोमांचक लीग में कॉरपोरेट जगत और सरकारी उपक्रमों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिल रही है, जिसके तहत छह प्रमुख फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए आपस में भिड़ेंगी। इनमें जिंदल स्टील लिमिटेड के स्वामित्व वाली चक्रधर चौपियंस, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की श्न्यायधानी नाइट्स्श्, श्रीबजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड की श्राजधानी रॉयल्स्श्, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की मैनपाट टाइगर्स, सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड की संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और एनएमडीसी लिमिटेड की फ्रेंचाइजी बैलाडीला बुल्स शामिल हैं।

कर्मा-पंथी लोक गीतों की थाप पर टीमों का परिचय

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में भाग ले रहें कुल छह फ्रेंचाइजी टीमों का ओपनिंग सेरेमनी में परिचय कर्मा, पंथी, बस्तरीया नृत्य जैसे पारंपरिक लोक गीत-नृत्यों के थाप कलाकारों ने जोरदार वेलकम किया। छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गीत-नृत्य की अनूठी छटा में पूरा उद्घाटन समारोह सराबोर हो गया। खिलाड़ी और दर्शक खुद को झूमने से रोक नहीं पाए। समारोह में पारंपरिक कला संस्कृति की अनूठा संगम ने हर किसी को आनंद और उत्साह से भर दिया।

आज से 1 नवंबर तक हॉकी का रोमांच

प्रतियोगिता के मुकाबलों का रोमांच 22 अक्टूबर से शुरू होकर 1 नवंबर तक लगातार जारी रहेगा। सभी मैच रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले जा रहे हैं, जहां प्रतिदिन दो रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। पहला मैच प्रतिदिन शाम साढ़े पांच बजे और दूसरा मुकाबला शाम साढ़े सात बजे से शुरू होता है। लीग के पहले दिन महिला खिलाड़ियों का एक विशेष प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया गया, जिसने प्रदेश में महिला हॉकी को एक नई ऊर्जा और प्रोत्साहन प्रदान किया है। इन सभी मुकाबलों का विधिवत और पेशेवर संचालन हॉकी इंडिया के अधिकृत अधिकारियों एवं ऑफिशियल्स द्वारा किया जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के अनुरूप नियमों और व्यवस्थाओं का व्यावहारिक अनुभव मिल रहा है।

सिटी इवेंट

ज़िम्बाब्वे और भारत की महिला क्रिकेट टीम ने सेवा को सराहा



रायपुर। नवरात्रि की महानवमी के दिन नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल में सुबह के समय भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य अस्पताल पहुंचीं। इनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार, गेंदबाजी कोच आविष्कार साल्वी, फील्डिंग कोच मुनीश बाली, पूर्वा काटे और ममता श्रीसुल्ला भारतीय महिला क्रिकेट टीम की मासिस्ट सहित फिजियोथेरेपिस्ट व रायपुर की रहने वाली आकांक्षा सत्यवंशी श्री सत्य साई संजीवनी की मानवीय सेवाओं की एक उत्साही प्रवक्ता हैं। तीन घंटे बाद ही जिम्बाब्वे महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की 35 सदस्य अस्पताल पहुंचीं। इनमें कोच मार्क कोल्स, टीम मैनेजर कैरोलीन न्यामांडे, मैरी-ऐन मुसोंडा, जोसेफिन नकोमो सहित फिजियोथेरेपिस्ट फराई मबासा शामिल रहे। टीम के सदस्यों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। उत्सव के माहौल के बीच, नर्सिंग की छात्राओं ने उन सभी को माला पहनाई। इसके बाद सभी पोस्ट-ऑपरेटिव वार्ड में गए, वहां मौजूद माता-पिता से बातचीत की और उन्हें चॉकलेट बांटे। डॉ. सी. राजेश्वरी ऑडिटोरियम में कार्यक्रम की शुरुआत श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल पर बनाए गए डॉक्यूमेंट्री के प्रदर्शन से किया।

श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल पर बनाई गई डॉक्यूमेंट्री का किया प्रदर्शन

खिलाड़ियों ने मरीजों के माता-पिता से किया संवाद

इस अवसर पर आयोजित स्पेशल जीवन के उपहार कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ राज्यों के मरीजों ने हिस्सा लिया। अमोल मजूमदार, मार्क कोल्स, डॉ. सी. श्रीनिवास और खिलाड़ियों ने मरीजों व उनके माता - पिता को जीवन के उपहार, जन्मोत्सव प्रमाण-पत्र और पुरस्कार सौंपे। साथ ही पेशेंट के माता-पिता के अनुभव को सुना। श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. सी. श्रीनिवास ने अमोल मजूमदार और मार्क कोल्स को गुलदस्ते भेंट किए। बाद में अस्पताल की ओर से टीम के प्रत्येक सदस्य को एक स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया। भारतीय और जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के सभी सदस्य हैरान रह गए। उनकी भावनाओं को बयां करने के लिए शब्द कम पड़ गए। छोटे बच्चों की निःशुल्क सफल हार्ट सर्जरी उनकी सोच से परे थी।

आज के युवाओं में प्रतिभा, ऊर्जा और कुछ नया करने की अपार क्षमता

रायपुर। मां आदिशक्ति के उपासना पर्व के अवसर पर उत्थान फाउंडेशन द्वारा 'हमर बहिनी के गोठ युवा संवाद' का आयोजन किया गया। हांडीपारा में स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं को करियर, नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में युवा वैज्ञानिक एवं इंजीनियर आदित्य भार्गव और प्रख्यात टीवी एंकर रसिका पांडे प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। दोनों वक्ताओं ने अनुभव और विचारों के माध्यम से युवाओं को भविष्य निर्माण के लिए मार्गदर्शन दिया। युवा वैज्ञानिक एवं इंजीनियर आदित्य भार्गव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवाओं में प्रतिभा, ऊर्जा और कुछ नया करने की अपार क्षमता है, लेकिन आवश्यकता इस बात की है कि वे अपनी ताकत और हुनर का सही इस्तेमाल करें। केवल सपने देखना पर्याप्त नहीं है, उन्हें साकार करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और सही दिशा में प्रयास करना जरूरी है।



स्वयं को पहले से बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए

प्रख्यात एंकर रसिका पांडे ने जेन जी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें दूसरों की राय और इस चिंता में अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहिए कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे। युवाओं को अपने लक्ष्य, अपनी मेहनत और अपने व्यक्तित्व के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दूसरों से खुद की तुलना करने की बजाय हर दिन स्वयं को पहले से बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए। सोशल मीडिया पर दूसरों की सफलता देखकर निराश होने की बजाय अपनी क्षमताओं को निखारने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए काम करना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक कैलाश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने मंच संचालन प्रज्ञा पांडे ने किया। कार्यक्रम में संस्था के मार्गदर्शक समाजसेवी राहुल हरितवाल, विनय साहू, ममता ध्रुव, सृष्टि मारकंडे, बालकृष्ण सोनी, अरविंद कुर्रे, ऋतु देवांगन, तोरण ठाकुर और उमेश की उपस्थिति रही।

त्वचा कैंसर की पहचान विषय पर नम्रता ने किया शोध, मिली पीएचडी की उपाधि



रायपुर। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग शाखा में नम्रता वर्मा ने पीएचडी पूरी कर अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा है। उनका शोध त्वचा कैंसर की पहचान विषय पर केंद्रित रहा, जो स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार की संभावनाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। नम्रता वर्मा ने अपना शोध कार्य डॉ. पंकज मिश्रा के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रहते हुए त्वचा कैंसर की पहचान जैसे महत्वपूर्ण विषय पर शोध करना उनकी वैज्ञानिक रुचि, निरंतर परिश्रम और शोध के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर उनके परिवारजनों और परिचितों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

कार्नर न्यूज

सराफा, कपड़ा और फैंसी-गिफ्ट दुकानों पर अभी से दिखने लगी रौनक

करवा चौथ व्रत की तैयारी में जुटीं सुहागिन, सोलह श्रृंगार और पूजा सामग्रियों की बढ़ी डिमांड

रायपुर। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाए जाने वाले करवा चौथ को लेकर अभी से बाजारों में भारी रौनक देखी जा रही है। इस वर्ष करवा चौथ का व्रत 29 अक्टूबर को रखा जाएगा, जिसे लेकर सुहागिन महिलाओं में खासा उत्साह है। पति की दीर्घायु और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना के लिए रखे जाने वाले इस निर्जला व्रत से पहले महिलाओं ने अपने सोलह श्रृंगार और पूजा सामग्री की जमकर खरीदारी शुरू कर दी है। त्योहार के मद्देनजर शहर के मुख्य बाजारों गोलबाजार, पुरानी बस्ती रोड़ बाजार, पंडरी कपड़ा मार्केट, सराफा बाजार से लेकर स्थानीय माठागांव, महादेवघाट रोड रायपुरा बाजारों पर पूजा-श्रृंगार की दुकानें पूरी तरह सज चुकी हैं। साड़ी शो-रूम, ज्वेलरी शॉप, कॉस्मेटिक स्टोर्स और पूजा सामग्री की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। दुकानदारों का कहना है कि त्योहार के कारण व्यापार में भारी उछाल आया है और वे महिलाओं की पसंद के अनुसार एक से बढ़कर एक नए कलेक्शन डिमांड के मुताबिक उपलब्ध करा रहे हैं। गोलबाजार स्थित राधा साड़ी कलेक्शन हाउस के संचालक ने बताया कि पारंपरिक परिधान और साड़ियां में करवा चौथ पर पारंपरिक लाल, मैरून और सुनहरे रंगों की सूरत और बनारसी साड़ियों की भारी मांग है। इसके साथ ही इस बार एथनिक को-ऑर्ड सेट्स, अनारकली सूट्स और शरारा सेट्स भी महिलाओं की पहली पसंद बने हुए हैं।





मोतियों से सजी डिजाइनर पूजा थाली व छलनी खास

शहर के फैंसी स्टोर्स, प्रसिद्ध टूरी हटरी बाजार पुरानी बस्ती में सुहाग की निशानी मानी जाने वाली कांच की लाल व हरी चूड़ियों के अलावा राजस्थान की प्रसिद्ध लाख की चूड़ियों, कुंदन कंगन और वेलवेट चूड़ियों के सेट की खरीदारी कर रहे हैं। वहीं पूजा सामग्रियों में पूजा के लिए जरूरी माने जाने वाले मिट्टी के करवे, छलनी, कांसे के दीये और सींक की बिक्री काफी तेज है। इसके अलावा बाजारों में गोटा-पट्टी और मोतियों से सजी खूबसूरत डिजाइनर पूजा थाली सेट्स भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। अखंड सौभाग्य की कामना से जुड़े इस पर्व में सिंदूर, बिंदी, काजल, महावर, बिछिया, पायल, बाजूबंद और मेहंदी जैसे सोलह श्रृंगार के सामान की खरीदारी जोरों पर है।



मेहंदी डिजाइनर की एडवांस बुकिंग

करवा चौथ पर हाथों में पिया के नाम की मेहंदी रचाना बेहद शुभ माना जाता है। बाजारों में जगह-जगह मेहंदी लगाने वाले कारीगरों के स्टॉल सज गए हैं, जहां महिलाओं ने त्योहार से एक सप्ताह पहले के लिए अभी से एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है। शहर की मेहंदी डिजाइनर मानसी वर्मा ने बताया कि अरबी, मारवाड़ी, फ्लोरल और पोट्रेट मेहंदी डिजाइनों का इस साल काफी क्रेज देखा जा रहा है।

व्रत और पूजा का शुभ मुहूर्त

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल करवा चौथ का व्रत विशेष संयोगों के साथ आ रहा है। 29 अक्टूबर को शाम को पूजा का शुभ मुहूर्त रात्रि 5.38 से 6. 56 बजे तक रहेगा, जो करीब 1 घंटे 17 मिनट की अवधि का होगा। वहीं व्रत के समापन के लिए रात में चंद्रोदय का समय 8.17 बजे के आसपास रहने की उम्मीद है, जिसके बाद सुहागिनें चंद्रमा को अर्घ्य देकर अपना व्रत खोल सकेंगी।

समाज लाइव

मैना सुंदरी की कथा से समझाया कर्म सिद्धांत

जीवन में सुख-दुख आने पर दूसरों का दोष नहीं



रायपुर। श्रीवर्धमान नगर जिनालय में चल रही श्रीशाश्वत नवपद ओली आराधना के तीसरे दिन मंगलवार को सिद्ध चक्र महापूजन विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। पूज्य खरतरगच्छाचार्य श्रीजिन पीयूष सागर सूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य मुनि श्रीशाश्वत रत्न सागरजी म.सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में श्रद्धालुओं ने नवपद की आराधना कर आध्यात्मिक साधना की।इस अवसर पर मुनि श्री ने मैना सुंदरी और श्रीपाल राजा के प्रसंग के माध्यम से कर्म सिद्धांत, निष्ठा और धर्म के महत्व को समझाया। नौ दिवसीय यह आराधना 26 अक्टूबर तक चलेगी। इस दौरान श्रद्धालु धर्म, तप और संयम के साथ विभिन्न धार्मिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। मुनि श्री ने जैन कथा का उल्लेख करते हुए बताया कि राजा पुहुपाल ने अपनी पुत्री मैना सुंदरी का विवाह कुष्ठ रोग से पीड़ित श्रीपाल राजा से कर दिया था। मैना सुंदरी ने इस परिस्थिति को अपने कर्मों का परिणाम मानकर स्वीकार किया और पति के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी।

24 अक्टूबर को वर्धमान जैन कार्निवल

धर्म और संस्कृति से लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से 24 अक्टूबर को वर्धमान जैन कार्निवल मनाया जाएगा। इसमें खेलों और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों, युवाओं और परिवारों को जैन धर्म के सिद्धांतों एवं संस्कारों से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा। इसका उद्देश्य धार्मिक मूल्यों को दैनिक जीवन और व्यवहार से जोड़ना है। श्री मेघराज बेगानी धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष धर्मराज बेगानी ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस आराधना में श्रद्धालु धार्मिक गतिविधियों और तप-साधना में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर अजय कानूगा, नितिन बागरेचा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सिटी लाइव

याद किए गए डॉ. कलाम, उनके बताए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प



रायपुर। समभाव सामाजिक सेवा समिति द्वारा विश्व छात्र दिवस पर पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति के सरंक्षक बिमान भट्टाचार्य, बीना भट्टाचार्य और राजेन्द्र नायडू के नेतृत्व यह आयोजन हुआ। समिति के अध्यक्ष पिलेश कुमार सिंह के स्वागत भाषण के बाद सेवानिवृत होने वाले चीफ मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज डॉ. उदय कुमार के साथ चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. संबिता पंडा का सम्मान किया गया। इसी कड़ी में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई की सम भावना को ध्यान मे रखते हुए विशिष्ट अतिथियों डॉ. आरपी बिन्दु, नरेश खोसला, शेरे बशीर, पलविंदर सिंह और फ्रांसिस एंथोनी का स्वागत किया गया।

कलाम के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प

संचालन सुनीता पाण्डे और धन्यवाद ज्ञापन जावेद हसन ने किया। कार्यक्रम में समिति के सदस्य दिनेश मिश्रा, जी सूर्यनारायण, बीपी राजपूत, रविन्द्र देबनाथ, रामकिंकर मिश्रा, योगेन्द्र साहू, अंतर्यामी नायक, एस बंद्योपाध्याय, रामसमुझ, गोविंद पाल सहित अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर सभी ने डॉ. एपीजी अब्दुल कलाम के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया और देश के विद्यर्थियों, युवाओं को शिक्षा के माध्यम से देश को उन्नति के मार्ग पर ले जाने किया प्रेरित।

आराधना

श्री विट्ठल समाज महासभा संगठन 25 को करेगा मंथन

रायपुर। दर्जी छीपा समाज की व्यापक पहचान स्थापित करने और सभी घटकों, खापों के बीच समन्वय स्थापित कर एकरूपता लाने तथा सभी घटकों एवं खापों के प्रतीकों को सम्मान देते हुए आयोजन किए जाते हैं। भगवान श्री विट्ठल को वृहद समाज का केंद्र मानते हुए ही महासंघ का गठन किया गया था। इसके संस्थापक अध्यक्ष योगाचार्य केएल नामदेव के अथक प्रयासों से इस संगठन का विस्तार देश के 16राज्यों में हो चुका है छत्तीसगड़ वह राज्य है, जिनमें समाज की बहुसंख्यक आबादी निवास करती है। वर्तमान में महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश वर्मा तथा संगठनात्मक विस्तार के साथ अभी तक किए गए कार्यों की समीक्षा के लिए 25 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से संध्या 6 बजे तक कई संगठन से जुड़े आयोजन होंगे।

कई जरूरी विषयों पर होगी चर्चा, लेंगे निर्णय

कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि श्री रामनाथ भीमसेन भवन समता कॉलोनी में यह महत्वपूर्ण बैठक रखी गई है। इस बैठक में सांगठनिक गतिविधियों की प्रक्रिया में तेजी लाने फरवरी 2027 से प्रारंभ होने वाली जनगणना में सभी घटकों की गढ़ना एक ही जाति समूह में कैसे संभव हो, सभी घटकों खापों के एक ही जातीय समूहों के मध्य रोटी बेटी का संबंध किस तरह से स्थापित होगा, जैसे अतिशय महत्त्व के विषय में चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। इस बैठक में दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना,झारखंड आदि प्रदेशों से वरिष्ठ समाजसेवी शामिल होंगे।

● दीवाली में होटलों के कर्मचारी जाते हैं छुट्टी, इसलिए लोगों को भोजन सेवा देने संस्थाएं करेंगी पहल

मरीजों के परिजन भूखे पेट न सोयें, इसलिए पर्व में युवा पकाएंगे ज्यादा भोजन, सुबह-दोपहर को बांटेंगे पैकेट

सरकारी अस्पतालों में इलाज करवाने के लिए छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओड़िशा और महाराष्ट्र से परिजन पेशेंट को लेकर राजधानी में आते हैं। जहां हर साल त्योहारी सीजन में ऐसी स्थिति बनती है, जब होटलों में कर्मचारी नहीं होने से आर्थिक रूप से सक्षम लोगों के सामने भी भोजन की समस्या आती है। इसे दूर करने के लिए सामान्य दिनों में प्रतिदिन भोजन सेवा देने वाले युवाओं ने दीवाली से पहले ही मरीजों के परिजन भूखे पेट न सोयें, इसलिए सुबह और दोपहर को भोजन सेवा को बड़ा रूप देने की तैयारी शुरू की है। युवाओं द्वारा संचालित शहर कई ऐसी संस्थाएं हैं, जो अनुभव के आधार पर भोजन सेवा देने पैकिंग पैकेट बांटते का पहल करने वाले हैं।





एम्स के सामने प्रतिदिन 1500 लोगों को भोजन सेवा

हे मां सेवा समिति के सदस्य एवं सेवादार राकेश अग्रवाल ने बताया कि विगत सात साल पहले नौ युवाओं ने इसे मिलकर शुरू किया था, इसका संचालन आज भी अनजवरत जारी है। कोविड के बीच भोजन सेवा दी गई। सुबह एम्स में ओपीडी का दिन होने से दोपहर तीन बजे तक 800 से अधिक जरूरत मंदों और अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों को प्राथमिकता से भोजन सेवा देते हैं। शाम को अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजन ही ज्यादा आते हैं। उनको भोजन लेकर जाने और बैठकर खाने की सुविधा देते हैं। दीवाली सहित सभी प्रमुख त्योहार के समय अधिकांश होटल बंद हो जाते हैं। ऐसे में नौकरी पेशा अधिकांश लोगों के सामने भोजन की समस्या बढ़ जाती है। अभी करीब 15 सौ लोगों को भोजन सेवा दी जाती है, दीवाली के समय इसे करीब 2200 लोगों के लिए रखने की तैयारी है।

अस्पतालों में पेशेंट के परिजनों को प्राथमिकता



परिजनों की मदद करने के लिए वर्ष 2018 से संस्था "कुछ फ़र्ज हमारा भी" द्वारा अस्पताल परिसर में निःस्वार्थ और निःशुल्क भोजन सेवा दी जा रही है। यह सेवा शहर के प्रमुख अस्पतालों में वर्षभर प्रतिदिन दोनों समय निरंतर जारी है। इस सेवा से प्रतिदिन 1,500 से अधिक मरीजों के परिजनों तक युवा भोजन पहुंचा रहे हैं। इस कड़ी में यह सेवा डीकेएस अस्पताल, जिला अस्पताल कालीबाड़ी और पंडरी के अलावा मेकाहारा अस्पताल में मरीजों के परिजनों तक भोजन पहुंचा रहे है। यह सेवा दानदाताओं के सहयोग से संचालित की जाती है। इस सेवा को आगे बढ़ाने में संस्था के संस्थापक व अध्यक्ष नितिन सिंह राजपूत, सचिव स्मारिका राजपूत, राकेश अग्रवाल, सुनील गोयल, रितेश अग्रवाल, रजत अग्रवाल, उद्दित अग्रवाल, अंकित गोयल, डॉ. शेषा सक्सेना सहयोग देते हैं। संस्था से जुड़ी सरोज सैफी, प्रखर अग्रवाल, रवि गोयल, विजय कुमार गुप्ता समर्पित वॉलंटियर्स के योगदान से दीवाली सीजन में दो हजार से अधिक परिजनों तक भोजन पहुंचाने की व्यवस्था रखेंगे।

रायपुर। इस बार दीवाली की तैयारी को लेकर विगत नौ वर्षों से अम्बेडकर अस्पताल, कैंसर यूनिट एवं जिला अस्पताल कालीबाड़ी सहित पंडरी अस्पताल में भोजन सेवा देने वाली जाने कितनी ही संस्थाएं हैं। इनमें संस्था अवाम ए हिन्द सोशल वेलफेयर कमेटी के संस्थापक मो. सज्जाद खान और उनके साथ जुड़ी सर्व समाज के युवाओं की टीम विगत नौ वर्षों से प्रतिदिन दोपहर और शाम को सामान्य दिनों में 250 से अधिक मरीजों के परिजनों तक भोजन सेवा को सुचारू रूप से संचालित कर रहे हैं। इस दीवाली में 6 से 11 नवंबर तक मरीजों के परिजन भूखे न सोए, इस संकल्प को बड़ा रूप देने की तैयारी अभी से शुरू की है। संस्था प्रमुख मो. खान ने बताया दीवाली सहित कई प्रमुख त्योहार के मौके पर अधिकांश होटल कर्मी अवकाश पर जाते हैं, इसके चलते होटल बंद रहते हैं। निर्माणाधीन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के सामने भी भोजन की समस्या होती है। कई बार सामाजिक संस्थाओं और मीडिया कर्मियों से मिलने वाली सूचना पर ऐसे स्थानों पर दोपहर और शाम को भोजन के पैकेट भी पहुंचाते हैं। इस दीवाली में करीब 5 सौ लोगों को जरूरी स्थलों पर सेवा देने व्यवस्था रहेगी।

16 साल से प्रति संडे सेवा समिति की पहल से लंगर

अम्बेडर अस्पताल के सामने 16 वर्षों से प्रति संडे संस्था दशमेश सेवा सोसायटी की पहल पर परिजनों एवं जरूरतमंदों के लिए लंगर का आयोजन किया जाता है। राजेन्दर सिंह भूटानी ने बताया कि इसके अलावा सोसायटी की ओर से अस्पताल परिसर में 24 घंटे पानी और पेशेंट के लिए दूध गर्म करने की सुविधा भी विगत 16 वर्षों से दी जा रही है। इसके लिए संस्था की ओर लोगों को सेवा का अवसर देने के लिए जिम्मेदारी दी जाती है। लोग समय दान करते हुए इस सेवा के क्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। अस्पताल परिसर में परिजनों की सबसे बड़ी परेशानी पेशेंट को गर्म पानी और दूध देना होता। इसे गर्म करने की सुविधा आने वाले परिजनों को निःशुल्क दी जाती है।

माता रानी के जयघोष से सराबोर रहा पंजाब केसरी, भजनों में रमा समाज

रायपुर। मां की भक्ति, श्रद्धा और आस्था से सजी एक अनुपम शाम, माता रानी के भजनों की मधुर गूंज, जयघोष और भक्तों से सजे मां के श्री दरबार में उत्सव का माहौल रहा। कुछ ऐसा ही भक्तिमय वातावरण पंजाब केसरी भवन, जोरा में देखने को मिला। जहां छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा द्वारा भव्य माता की चौकी का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ भगवान श्री गणेश की आरती से किया गया। फूलों और आकर्षक सजावट से सजा मां का दरबार श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा एवं उसकी सभी शाखाओं के सदस्यों ने मां के श्री धाम में चुनरी अर्पित करते हुए अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की। माता रानी से सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए समाज ने कामना की। माता की चौकी के इस आयोजन में भजनों की धूम रही।



श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया

टाटा नगर से आए प्रसिद्ध जागृति मंडल (गोल्डी भाई की मंडली) ने माता रानी की मनमोहक भेंट, भजनों की ऐसी प्रस्तुति दी, जिससे भवन परिसर भी भक्तिरस में डूब गया। भजनों की मधुर धुनों के बीच जब मां के जयकारे गूंजे, तो माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर मां की महिमा का गुणगान करते रहे और देर तक माता रानी के दरबार में हाजिरी लगाते रहे। इस आयोजन में सभा की सीनियर महिला विंग, युवा महिला विंग और युवक विंग के सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया। सभी शाखाओं की सहभागिता ने आयोजन को सामूहिक श्रद्धा, एकजुटता और धार्मिक उल्लास का सुंदर स्वरूप दिया। साथ ही सामूहिक आस्था, सेवा, संस्कार और एकता का प्रतीक बना। मां के दरबार में गूंजे जयकारों और भक्तिमय भजनों ने सभी के मन में श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

माता के स्वरूप में कन्या भोज: आयोजन के समापन पर विधि-विधान से महाआरती की गई। इसके बाद माता के स्वरूप में विराजमान कन्याओं को कन्या भोज कराया गया और सभी उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसादी वितरित की गई। मां के आशीर्वाद और भक्ति भाव से सराबोर यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक यादगार आध्यात्मिक अनुभव बन गया। इसमें सभा के अध्यक्ष सतिंदर कोहली, महासचिव राजीव विग, कोषाध्यक्ष विकास मोदी, महिला मंडल अध्यक्ष अलका मोदी, महिला यूथ अध्यक्ष प्रिया टावरे, यूथ विंग अध्यक्ष विवेक साहनी, कार्यक्रम प्रभारी अश्विनी विग ने व्यवस्था की कमान संभाली। संरक्षक जवाहर खन्ना, सुनील डोंगर, डॉ. एस. एम. कुमार, उपाध्यक्ष विकास विग, मीडिया प्रभारी रोहित अरोड़ा, आकाश विग, सुशील सखूजा सहित सभा के लोग सपरिवार शामिल हुए।



गर्भस्थ महिला जिजाऊ सा संकल्प लें, तो जन्म लेंगे शिवाजी महाराज

रायपुर। गर्भस्थ महिला अगर जिजाऊ माता जैसा संकल्प लें, तो उनका बेटा भारत मां को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराने वाले वीर शिवाजी महाराज के रूप में जन्म लेंगे। जब भी हम शिवाजी महाराज का स्मरण करें, तो उसी समय हमें जिजाऊ माता की वंदना करनी चाहिए। महाराष्ट्र मंडल के छत्रपति शिवाजी महाराज और भारत मां की मासिक महाआरती में मुख्य अतिथि के रूप में महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया ने इस आशय के विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र मंडल को शिवाजी की प्रतिमा के पास जिजाऊ मां से संबंधित ग्रंथ आदि रखना चाहिए। छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व सचिव व सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमके राउत के कहा कि फिल्मों के माध्यम से समाज में माहौल तेजी से बदला है। 'राजा शिवाजी', 'छावा' जैसी फिल्मों को देखने के बाद लोग बादशाह अकबर के मजार को तोड़ने के लिए स्वस्फूर्त पहुंच गए। पुलिस को बुलवाकर किसी तरह उन्हें मजार स्थल से हटाना पड़ा। राउत ने कहा कि वे उत्कल समाज ओडिशा का प्रतिनिधित्व करते हैं और वहां कोई भी संस्था इतना काम नहीं करती, जितने काम यहां का महाराष्ट्र मंडल कर रहा है।

शिवाजी महाराज एवं भारत माता के प्रति किया प्रेरित

भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडे ने जिजाऊ माता के बाल्यकालीन संकल्पों और संस्कारों का स्मरण करते हुए आज की नारी को छत्रपति शिवाजी महाराज एवं भारत माता के प्रति अपने विचारों से प्रेरित किया। एनआईटी के वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. समीर वाजपेयी ने शिवाजी महाराज और भारत माता के प्रति महाराष्ट्र मंडल के आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि जब वह शिवाजी महाराज के जीवन और गौरवगाथा का वर्णन करते हैं, तो श्रोताओं के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन समिति के पुरुष प्रमुख गणेशा जाधव पाटिल ने नवरात्रि के दौरान आयोजित दुर्गा दौड़ की जानकारी दी और मातृशक्ति, युवाओं और सामाजिक संगठनों से राष्ट्रभक्ति, संस्कार व सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। समिति के समन्वयक अभिषेक बक्षी, सचिव चेतन दंडवते, रंगसाधक अनिल श्रीराम कालेले, कल्याण देशपांडे, दीपक पात्रीकर, दिव्या पात्रीकर उपस्थित रही।

● विजयदशमी के दूसरे दिन कालीबाड़ियों में रही जयकारों की गूंज

सुहागिनों ने सिंदूर खेलकर दी मां दुर्गा को विदाई पूजा स्थलों पर विधि-विधान से निभाई गई परंपरा

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर के बंगाली कालीबाड़ियों में जहां मां दुर्गा पूजा को उत्सव और महोत्सव भक्तों ने दिया। हर शाम आरती के बाद मां के स्वागत में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भजनों की श्रृंखला बंगाली समाज के लोगों और पूजा उत्सव से जुड़ी समितियों के माध्यम से भी आयोजन के लिए अलग-अलग क्षेत्र में भव्य पंडाल सजाए गए। जहां विधि-विधान से प्रतिदिन पूजा-अर्चना और अनुष्ठान का क्रम भी चला, लेकिन बुधवार को वह पल भी आया जब बंगाली समाज की सुहागिनों ने सिंदूर खेला की परंपरा का निर्वहन करते हुए सिंदूर दान करते हुए सुहागिनों कामना करती हैं।

यहां भी समाज की महिलाओं ने किया आयोजन

बंगाली कालीबाड़ी चौक स्थित मंदिर परिसर में बंगाली समाज के साथ अन्य समाज की महिलाओं ने भी पारंपरिक वेशभूषा में मां दुर्गा को सिंदूर लगाकर पूजा-अर्चना करते हुए आयोजन का हिस्सा बनी। एक-दूसरे को भी सिंदूर लगाया। महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य के साथ ही गीत गाते हुए मां दुर्गा की विदाई में शामिल हुई। कुछ तरह का माहौल पंडरी स्थित कालीबाड़ी में भी देखने को मिला। यहां भी महिलाओं के द्वारा सिंदूर खेला का आयोजन किया गया। देवी सिंदूर वरन के नाम से भी इसे जाना जाता है। नई वधुओं को इस परंपरा से जोड़ने का प्रयास भी इस आयोजन में किया गया। मां दुर्गा की विदाई से पहले जहां उत्सव का माहौल रहा, वहीं विदाई के समय आंखे भी नम हुई।

इस क्रम लगभग सभी कालीबाड़ियों में महिलाओं का समुह दोपहर से पहुंचना शुरू हुआ। मां दुर्गा की कुछ अंदाज में किया गया, जिस तरह से घर में अतिथि स्वरूप आने वाली बेटियों की तरह ही विदाई की गई। इस दौरान जाने कितनी ही सुहागिनों की आंखें भी नम हुई।



अखण्ड सौभाग्यवती होने का मांगा वरदान, की पूजा

श्री श्री शारदीय दुर्गोत्सव त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति राजेंद्र नगर स्थित मंदिर परिसर में बुधवार को सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को विदा किया गया। सुहागिनों ने सिंदूर खेलकर मां दुर्गा से अखण्ड सौभाग्यवती होने का वरदान मांगा। सभी ने आबार एशो मां के जयकारों के साथ नम आंखों से भावभीनी विदाई दी। श्री श्री शारदीय दुर्गोत्सव त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति राजेंद्र नगर की सांस्कृतिक प्रभारी सुचित्रा बर्धन और सचिव विवेक बर्धन ने बताया कि सिंदूर खेला बंगाली हिंदू समाज की एक प्रमुख परंपरा है। जो मां दुर्गा की विदाई से पहले मनाई जाती है। इस परंपरा में मां दुर्गा को बेटी के रूप में देखा जाता है। मां दुर्गा जब मायके से विदा होकर ससुराल जाती है, तो उनकी मांग सिंदुर से सजाई जाती है। इसके बाद सुहागिन स्त्रियां एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर शुभकामनाएं देती हैं। यह मान्यता है कि इससे सुहागिनों को सौभाग्यवती होने का वरदान प्राप्त होता है।

हेल्थ टिप्स

एशियन गेम्स पदक विजेता अनिमेष का सम्मान



रायपुर। 20वें एशियाई खेलों (जापान) में मिक्स्ड रिले इवेंट में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाले छत्तीसगढ़ (जशपुर) के स्टार एथलीट अनिमेष कुजूर के छत्तीसगढ़ आगमन पर उनका और उनके परिजनों का भव्य स्वागत किया गया। 100 मीटर और 200 मीटर के नेशनल रिकॉर्ड होल्डर अनिमेष को छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया ने सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं दीं। सिसोदिया ने एशियन गेम्स में 200 मीटर दौड़ में पांचवां स्थान प्राप्त करने पर चर्चा की, आगामी अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं की तैयारियों की जानकारी ली और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जीएस बामरा, परविंदर सिंह ग्रेवाल, आदित्य सिंह ठाकुर, रितिका सिंह सहित एथलेटिक्स खेल से जुड़े कई प्रशिक्षक और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ओसीए रेजिडेंशियल क्रिकेट अकादमी ने 155 रनों से जीता मैच



भिलाई। क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी करंजा भिलाई द्वारा आयोजित यूथ कप क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत ओसीए रेजिडेंशियल क्रिकेट अकादमी और गोविंद चौहान क्रिकेट अकादमी के बीच मुकाबला खेला गया। ओसीए रेजिडेंशियल क्रिकेट अकादमी ने यह मैच 155 रनों से जीत लिया।

टॉस जीतकर गोविंद चौहान अकादमी ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। ओसीए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 271 रन बनाए, जिसमें सोमिल ने 86, गोपाल ने 55 और आदित्य राज ने 42 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में गोविंद चौहान अकादमी की ओर से सिद्धांत भागवत और वासी हुसैन ने 3-3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोविंद चौहान क्रिकेट अकादमी 116 रन पर ही ढेर हो गई। ओसीए की तरफ से स्वप्निल राणा ने 3 विकेट झटके। शानदार प्रदर्शन करने वाले सोमिल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस अंपायर विनोद देवघरे के हाथों प्रदान किया गया।

क्रिकेट में बीएसपी, कोरबा कांकेर और जशपुर विजेता



भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-19 प्लेट ग्रुप एक दिवसीय अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत रोमांचक मुकाबले हुए। न्यू ग्राउंड कांकेर में खेले गए मैच में बीएसपी ने बस्तर को 5 विकेट से पराजित किया। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए बस्तर की टीम 129 रन पर ऑल आउट हो गई, जिसके जवाब में बीएसपी की टीम ने 5 विकेट खोकर 132 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। वहीं, बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर 1 में खेले गए एक अन्य रोमांचक मुकाबले में कोरबा ने कोरिया जिला को 1 विकेट से मात दी। इस मैच में कोरिया जिला की टीम 124 रन पर आउट हो गई, और कोरबा ने 9 विकेट के नुकसान पर 125 रन बनाकर जीत अपने नाम की।

इसके अतिरिक्त, दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में हुए मुकाबले में कांकेर ने महासमुंद को 64 रनों से शिकस्त दी। कांकेर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 279 रन बनाए, जिसके जवाब में महासमुंद की टीम 9 विकेट पर 215 रन ही बना सकी। धमतरी में खेले गए मैच में जशपुर ने धमतरी को 6 विकेट से हराया। इस मैच में धमतरी की टीम 150 रन पर सिमट गई, और जवाब में जशपुर ने 4 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप छत्तीसगढ़ के मोरध्वज रेफरी



रायपुर। पहली कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, अहमदाबाद में 21 से 30 अक्टूबर तक आयोजित है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में जिला कबड्डी संघ कोरबा के वरिष्ठ सदस्य मोरध्वज सिंह का चयन रेफरी के रूप में किया गया है।

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य संबंधी नुस्खे आजमाने का बढ़ता चलन और इसके छिपे हुए खतरे

सोशल मीडिया के हेल्थ टिप्स से कहीं भारी न पड़ जाए आपकी सेहत, खुद से इलाज करने की आदत बन सकती है जानलेवा

क्या आप भी किसी स्वास्थ्य समस्या के होने पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटबॉट्स या वीडियो साझा करने वाले मंचों पर खुद ही इसके उपाय ढूंढने लगते हैं? क्या इंटरनेट पर देखकर बिना किसी चिकित्सीय परामर्श के दवाइयां शुरू कर देना आपकी आदत बन चुकी है? यदि आपका जवाब हां है, तो आपको तुरंत सतर्क हो जाने की आवश्यकता है, क्योंकि आपकी यह छोटी सी लापरवाही भविष्य में किसी बड़ी मुसीबत का कारण बन सकती है। आजकल अधिकांश लोग किसी भी छोटी-मोटी बीमारी या स्वास्थ्य समस्या के घरेलू उपाय जानने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया मंचों का अंधाधुंध सहारा ले रहे हैं। यहां वजन घटाने, रक्त शर्करा को नियंत्रित करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के ढेरों नुस्खे आसानी से मिल जाते हैं।

सोशल मीडिया पर सक्रिय सामग्री निर्माता भी बीमारियों को चुटकियों में ठीक करने के ऐसे-ऐसे दावे करते हैं कि पहली नजर में वह तरीका एकदम सटीक और अचूक प्रतीत होता है। असली परेशानी तब शुरू होती है, जब लोग इन अप्रमाणित दावों पर आंख मूंदकर भरोसा कर लेते हैं और डॉक्टर की सलाह के बिना खुद से दवाइयां खाना या अपनी पुरानी चल रही दवा को अचानक



बंद कर देते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि प्रत्येक मनुष्य की शारीरिक उम्र, चिकित्सीय इतिहास और बीमारी के लक्षण पूरी तरह भिन्न होते हैं। इसलिए, जो नुस्खा या उपाय किसी एक व्यक्ति के लिए फायदेमंद साबित हुआ हो, यह बिल्कुल जरूरी नहीं है कि वह दूसरे व्यक्ति के लिए भी उतना ही गुणकारी हो।

सोशल मीडिया के वायरल दावों पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें

इंटरनेट पर किसी वीडियो का अत्यधिक वायरल होना या उस पर लाखों लाइक्स होना इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि उसमें दी गई जानकारी वैज्ञानिक रूप से शत-प्रतिशत सही है।



सोशल मीडिया पर कई बार बिना किसी वैज्ञानिक आधार या प्रमाण के बड़े-बड़े दावे परोसे जाते हैं। चूंकि ये मंच या वीडियो बनाने वाले लोग एक साथ बहुत बड़े जनसमूह को ध्यान में रखकर अपनी बात रखते हैं, इसलिए उनका वह नुस्खा हर किसी पर एक जैसा असर दिखाए, यह व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। यही कारण है कि इंटरनेट पर मिलने वाले किसी भी स्वास्थ्य दावे पर कभी भी आंख बंद करके भरोसा नहीं करना चाहिए। कई बार बाहर से बहुत हल्की या सामान्य दिखने वाली स्वास्थ्य समस्या के भीतर कोई गंभीर बीमारी पल रही होती है, और ऐसे में केवल सोशल मीडिया के भरोसे रहने से सही समय पर असल बीमारी की पहचान नहीं हो पाती है।

खुद से इलाज करने की भूल कभी न करें, सेहत पर पड़ सकता है भारी असर

यदि आप सोशल मीडिया और इंटरनेट की दुनिया से प्रेरित होकर अपनी किसी भी बीमारी का खुद ही डॉक्टर बनकर इलाज शुरू कर देते हैं, तो इसका परिणाम आपकी सेहत के लिए बेहद घातक साबित हो सकता है। बिना डॉक्टर की देखरेख के गलत दवा का सेवन करने से

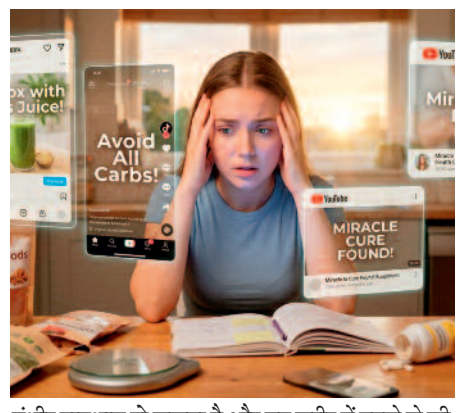

गंभीर दुष्प्रभाव हो सकता है और यह शरीर में पहले से ली जा रही अन्य दवाओं के साथ गलत प्रतिक्रिया भी कर सकती है। केवल घरेलू नुस्खों या इंटरनेट के भरोसे बैठे रहने से अंदरूनी और गंभीर बीमारी का पता बहुत देर से चलता है, जिससे इलाज में अनावश्यक देरी हो जाती है। इसके अलावा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी पुरानी बीमारियों की दवाइयां बिना किसी विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह के खुद से बंद कर देना शरीर को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। हर बार हर संक्रमण में एंटीबायोटिक दवा की जरूरत नहीं होती है, और बिना किसी डॉक्टर के परामर्श के इन शक्तिशाली दवाओं का अंधाधुंध सेवन करने से बैक्टीरिया में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने लगती है, जिससे भविष्य में सामान्य दवाइयां भी शरीर पर असर करना छोड़ देती हैं।



स्टेपर मशीन देगी पूरे शरीर की टोनिंग, तेजी से घटेगा वजन

आज के समय में लोग अपनी सेहत को लेकर काफी जागरूक हो चुके हैं और एक स्वस्थ जीवनशैली जीने के लिए नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं। फिटनेस और वर्कआउट रूटीन में कई तरह की गतिविधियों को शामिल किया जाता है, जिनमें कार्डियो वर्कआउट सबसे अहम माना जाता है। कार्डियो के दौरान हम विभिन्न प्रकार की एक्सरसाइज करते हैं।

स्टेपर मशीन को अक्सर कार्डियो वर्कआउट रूटीन का हिस्सा बनाया जाता है। यह न केवल अतिरिक्त कैलोरी बर्न करके वजन को तेजी से कम करने में सहायक है, बल्कि शरीर की मांसपेशियों (मसल्स) को भी जबरदस्त फायदा पहुंचाती है।

प्लैंक स्टेप-अप्स

स्टेपर की मदद से प्लैंक स्टेप-अप्स आसानी से किए जा सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपकी कोर मसल्स को सीधे टारगेट करती है, जिससे आपके एब्स, ऑब्लिक्स और



लोअर बैक मजबूत होते हैं। साथ ही, इससे वजन घटाना भी काफी आसान हो जाता है। यह एक बेहतरीन फुल बॉडी वर्कआउट है जो पूरे शरीर को टोन करता है।

करने का तरीका

सबसे पहले अपने शरीर को प्लैंक पोजीशन में लाएं। अपने दोनों हाथों को जमीन पर और स्टेपर के पास रखें। अब अपने दाहिने हाथ को उठाकर स्टेपर बेंच पर रखें और फिर वापस शुरुआती स्थिति में ले आएं। इसके बाद बाएं हाथ से यही प्रक्रिया दोहराएं। अपनी क्षमता के अनुसार इस क्रम को जारी रखें।

हाई नी स्टेप-अप

हाई नी स्टेप-अप आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और शरीर के निचले हिस्से (लोअर बॉडी) की स्ट्रेंथ को बढ़ाता है। इस एक्सरसाइज का cardiovascular स्वास्थ्य पर भी बहुत सकारात्मक असर पड़ता है। यह एक हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज है, इसलिए यह तेजी से कैलोरी बर्न करने और वजन घटाने में बहुत मददगार साबित होती है।

करने का तरीका

स्टेपर की ओर मुंह करके सीधे खड़े हो जाएं। अब एक पैर से स्टेपर पर कदम रखें। जैसे ही आप ऊपर चढ़ते हैं, अपने दूसरे पैर के घुटने को ऊपर छाती की तरफ उठाएं। इसके बाद पैर को वापस नीचे जमीन पर लाएं और दूसरे पैर से इसी प्रक्रिया को दोहराएं।

ट्राइसेप्स स्टेपर डिप्स

स्टेपर की मदद से आप आर्म्स के लिए ट्राइसेप्स डिप्स एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। यह आपकी ट्राइसेप्स मसल्स को मजबूती प्रदान करती है और साथ ही शरीर का संतुलन (बॉडी बैलेंस) व स्थिरता (स्टेबिलिटी) भी सुधारती है।



हर सुबह मलासन में बैठकर पिएं पानी, मिलेंगे ये अद्भुत लाभ



स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है और इसे बनाए रखने के लिए प्राचीन भारतीय परंपराओं व योगशास्त्र में कई सहज नियम बताए गए हैं। योग हमारे शरीर और मन को निरोगी रखता है, वहीं पानी शरीर की समस्त आंतरिक प्रणालियों को शुद्ध और विषरहित बनाए रखता है। जब हम इन दोनों प्राकृतिक नियमों का एक साथ समावेश करते हैं, तो सेहत को अकल्पनीय लाभ मिलते हैं। सुबह उठकर मलासन यानी उकड़ू बैठकर पानी पीने की साधारण सी दिखने वाली यह आदत हमारे पाचन तंत्र से लेकर त्वचा की रंगत तक में चमत्कारी बदलाव ला सकती है।

मलासन में पानी पीने के स्वास्थ्य लाभ और सही तरीका

प्रसिद्ध योगा शिक्षिका दिलराज कौर बताती हैं कि सुबह खाली पेट मलासन की स्थिति में बैठकर पानी पीने से शरीर की कार्यप्रणाली बेहद सुचारू हो जाती है। मलासन मुख्य रूप से हमारे हिप्स, पेल्विक रीजन और पेट के निचले हिस्से के अंगों पर काम करता है। इस उकड़ू स्थिति में बैठकर पानी पीने से पेट और आंतों पर एक प्राकृतिक दबाव बनता है, जिससे बाउल मूवमेंट में तेजी आती है और सुबह बिना किसी परेशानी के पेट आसानी से साफ हो जाता है। इसके नियमित अभ्यास से पुरानी से पुरानी कब्ज, गैस, एसिडिटी और यूरिनरी ट्रैक्ट में होने वाली जलन से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाती है।

इसके अलावा, यह आदत शरीर से रातभर में जमा हुए सभी हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर बॉडी को पूरी तरह डिटॉक्स करती है, जिससे चेहरे पर स्वाभाविक ग्लो आता है और सिरदर्द या माइग्रेन की शिकायत दूर होती है। पर्याप्त हाइड्रेशन मिलने से हमारी मांसपेशियों को ताकत मिलती है, ऐंठन दूर होती है और शरीर का लचीलापन काफी बढ़ जाता है। हालांकि, इस क्रिया को करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि एक बार में बहुत अधिक पानी गटकने के बजाय छोटे-छोटे घूंट लेकर ही पानी पिएं, ताकि शरीर का संतुलन बना रहे और पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

मूंग दाल का पिज्जा, हेल्थ के साथ स्वाद का भी डोज़



पिज्जा भले ही इटली से ताल्लुक रखता है, लेकिन भारत में इसके दीवाने हजारों हैं। मास्टरशेफ पंकज भदौरिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मूंग दाल पिज्जा की रेसिपी शेयर की है। सबसे पहले इसके लिए पीली मूंग दाल लेकर उसे साफ करके 2-3 बार धोकर भिगोने के लिए छोड़ दें। दाल को लगभग 6-8 घंटे के लिए भिगोएं, इसके बाद आपके लिए बैटर बनाना आसान होगा। 6 घंटे के बाद दाल को बिना पानी के ब्लेंडर में डालकर पीस लें। यह एक स्मूथ कंसिस्टेंसी के बैटर में तैयार होना चाहिए। इसे एक बार चम्मच से अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मैटर में नमक और दो बड़े चम्मच वेजिटेबल ऑयल डालकर अच्छी तरह से मिला लें। इसके बाद बैटर में एक पैकेट ईनो को डालकर व्हिस्कर से मिला लें। इस बैटर को लगभग 2 मिनट के लिए अलग रखें। अब टमाटर, प्याज, शिमला मिर्च (शिमला मिर्च के हैक्स) को क्यूब्स में काटकर एक प्लेट में रख लें। अगर आप इसमें कॉर्न, पनीर या अन्य कोई वेजिटेबल डालना चाहते हैं, तो वो भी तैयार करके रख सकते हैं। एक नॉन स्टिक पैन को मीडियम आंच पर गर्म कर लें। अगर आपको लगता है कि आपका बैटर इस पैन में चिपकेगा, तो बहुत हल्का तेल पैन में ब्रश कर लें। इसके बाद, एक छलनी से बैटर लेकर इसमें डालकर फैलाएं। आप इसे क्वार्टर प्लेट जितना फैला सकते हैं। आंच को धीमा करके पैन पर लिड रखें और इसे 1-2 मिनट नीचे से पकने दें। ढक्कन हटाकर इसमें पिज्जा सॉस (होममेड पिज्जा सॉस) फैला लें। ऊपर से इसमें ग्रेटेड चीज डालें। बेस को चीज से अच्छे से कवर कर लें। पिज्जा बेस के ऊपर अपनी पसंदीदा सब्जियों को फैलाएं और फिर धीमी आंच पर ढक्कन से ढककर 3-4 मिनट पकाएं।

वास्तु के नियमों का रखें विशेष ध्यान, जीवन में बनी रहेगी सुख-समृद्धि और मिलेगी सकारात्मक ऊर्जा

हमारे देश में सबसे ज्यादा त्योहार मनाए जाते हैं, जहां विभिन्न धर्मों के लोग अपने-अपने उत्सव और पर्व को अपनी परंपरा और संस्कृति के अनुसार हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। त्योहारों के मौसम की शुरुआत होने वाली है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार त्योहार के दिनों में ऐसा कोई भी नकारात्मक कार्य नहीं करना चाहिए जिससे आपकी और आपके परिवार की खुशियां फीकी पड़ जाएं। जीवन में शुभ फलों की वृद्धि और अशुभ फलों से बचने के लिए कुछ खास बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

वस्त्र चयन में सावधानीः फटे और मैले कपड़ों से बनाएं दूरी

आधुनिक युग में फटे हुए कपड़े पहनना काफी प्रचलन में आ गया है, लेकिन ऐसे परिधान हमारी भारतीय संस्कृति और वास्तु शास्त्र में बिल्कुल भी शुभ नहीं माने जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि फटे और मैले वस्त्र पहनने से व्यक्ति की शारीरिक क्षमता व सकारात्मक ऊर्जा का ह्रास होता है। ऐसे कपड़े हमारे तन और मन को शिथिल बनाकर कई प्रकार की बीमारियों को भी



जन्म देते हैं। इसके साथ ही, गंदे और फटे वस्त्र अपने साथ दुर्भाग्य लेकर आते हैं और घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होने लगता है।

कलह और वाद-विवाद से पूरी तरह बचें

त्योहार आपसी प्रेम व भाईचारे का संदेश देकर जीवन में नवचेतना का संचार करते हैं। वैसे तो सदैव ही कलह और वाद-विवाद से हमेशा दूर रहने का प्रयास करना चाहिए, परन्तु विशेष रूप से त्योहार के दिन घर में लड़ाई-झगड़े और बहस बाजी से पूरी तरह बचना चाहिए। हो सकता है एक छोटी सी बहस आपके पूरे उत्सव के मूड को बर्बाद कर दे।



फसल बीमा के बेहतर क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ में पहली बार बनेगी समन्वय इकाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में पहली बार राज्य स्तर पर समन्वयक इकाई गठित की जा रही है। कृषि संचालनालय के अंतर्गत बनने वाली इस स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट में चार समन्वयक (विशेषज्ञों) की भर्ती की जाएगी। ये भारत सरकार, बीमा कंपनियों और योजना से जुड़े अन्य हितधारकों (स्टेकहोल्डरों) के साथ समन्वय करने के साथ फसल नुकसान के आकलन, डेटा प्रबंधन, तकनीकी निगरानी और योजना के संचालन में राज्य सरकार की मदद करेंगे। कृषि विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, फसल बीमा योजना की गाइडलाइन के आधार पर राज्य में पहली बार इस तरह की विशेषज्ञ इकाई के लिए भर्ती की जा रही है। इसका उद्देश्य योजना के विभिन्न स्तरों पर तकनीकी सहायता और समन्वय को मजबूत करना है, ताकि योजना से जुड़े कामों की निगरानी और सूचनाओं का प्रबंधन बेहतर तरीके से हो सके।

हरिभूमि सरोकार

भारत सरकार, बीमा कंपनियों और अन्य स्टेकहोल्डरों से समन्वय

इकाई की होगी ये जिम्मेदारी

इस इकाई की एक प्रमुख जिम्मेदारी फसल उपज और प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान के आकलन में तकनीक का उपयोग बढ़ाना होगा। रिमोट सेंसिंग विशेषज्ञ फसल नुकसान से जुड़े मामलों में निरीक्षण और रिपोर्ट तैयार करने, रिमोट सेंसिंग तथा भौगोलिक सूचना प्रणाली की मदद से उपज और नुकसान के आकलन तथा फसल कटाई प्रयोगों के लिए नमूना स्थलों के चयन में सहयोग करेगा। मोबाइल तकनीक के माध्यम से फसल कटाई प्रयोगों से संबंधित डेटा जुटाने की प्रक्रिया को भी बेहतर बनाने में सहायता दी जाएगी।



फसल नुकसान के आकलन और डेटा प्रबंधन पर रहेगा जोर

इन पदों पर होगी अस्थायी भर्ती

कृषि संचालनालय ने इस इकाई के लिए स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिसर, रिमोट सेंसिंग विशेषज्ञ, डेटा एनालिस्ट एवं मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम विशेषज्ञ और आईटी एवं तकनीकी विशेषज्ञ के पदों पर आवेदन आमंत्रित किए हैं। इनमें स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिसर को एक लाख रुपये, रिमोट सेंसिंग विशेषज्ञ को 70 हजार रुपये तथा डेटा एनालिस्ट और आईटी विशेषज्ञ को 80-80 हजार रुपये प्रतिमाह पारिश्रमिक दिया जाएगा। सभी चारों पद अस्थायी हैं और इनके लिए अन्य भत्ते देय नहीं होंगे। डेटा एनालिस्ट एवं एमआईएस विशेषज्ञ योजना के पोर्टल को नियमित रूप से अपडेट करने, विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी का संकलन करने, रिपोर्ट तैयार करने और बैंकों, बीमा कंपनियों तथा फसल कटाई प्रयोगों से जुड़े डेटा की समस्याओं के समाधान में मदद करेगा। आईटी एवं तकनीकी विशेषज्ञ पोर्टल और तकनीकी ढांचे के संचालन, तकनीकी समस्याओं के निराकरण तथा संबंधित अधिकारियों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण देने का काम करेगा।

समन्यवय के साथ सरकार को देंगे रिपोर्ट

राज्य परियोजना अधिकारी इकाई के कामकाज का नेतृत्व करेगा। उसकी जिम्मेदारी योजना की कार्ययोजना तैयार करने, क्रियान्वयन की निगरानी, वित्तीय और कार्य संबंधी लक्ष्यों की समीक्षा, संबंधित संस्थाओं के साथ बैठकें करने और राज्य सरकार को समय पर रिपोर्ट उपलब्ध कराने की होगी। इस तरह इकाई की भूमिका केवल तकनीकी काम तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि योजना के क्रियान्वयन में विभिन्न पक्षों के बीच तालमेल बनाए रखने की भी होगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में राज्य सरकार, केंद्र सरकार, बीमा कंपनियों और स्थानीय स्तर पर काम करने वाली एजेंसियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां होती हैं। फसल नुकसान का आकलन, फसल कटाई प्रयोगों के आंकड़े, पोर्टल पर दर्ज जानकारी और दावों से जुड़ी प्रक्रियाओं के बीच समन्वय इस व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विशेषज्ञ इकाई से इन कार्यों में तकनीकी सहायता और सूचनाओं के बेहतर प्रबंधन की अपेक्षा है। हालांकि, इकाई के गठन से दावों के निपटारे में कितनी तेजी आएगी या किसानों को कितना लाभ होगा, इसका आकलन इसके कामकाज और परिणामों के आधार पर ही किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने किया क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

शहरों के विकास के लिए एक लाख करोड़ का अर्बन चैलेंज फंड, गुणवत्ता पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के शह.रों को सुनियोजित, सुविधासंपन्न और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार ने शहरी विकास की दीर्घकालिक योजनाओं पर जोर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, शहर केवल आवास और नागरिक सुविधाओं के केंद्र नहीं, बल्कि उद्योग, व्यापार, रोजगार और नवाचार के प्रमुख आधार भी हैं। केंद्र सरकार ने अर्बन चैलेंज फंड के लिए एक लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यह छत्तीसगढ़ के शहरों के विकास के लिए बड़ा अवसर है।

मुख्यमंत्री बुधवार को नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्बन चैलेंज फंड एवं अर्बन इन्वेस्ट विंडो विषयक प्रथम क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ कर रहे थे। इस अवसर पर नगरीय विकास, वित्तीय प्रबंधन और तकनीकी क्षमता बढ़ाने के लिए हुडको तथा सेप्ट विश्वविद्यालय के साथ दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।



दो एमओयू से परियोजना निर्माण और तकनीकी क्षमता को मिलेगा सहारा : कार्यशाला के दौरान पहला समझौता हुडको और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के बीच तथा दूसरा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सेप्ट विश्वविद्यालय के बीच हुआ। इन समझौतों से नगरीय निकायों को विकास परियोजनाओं की योजना बनाने, वित्तीय संसाधन जुटाने, तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त करने, प्रशिक्षण और संस्थागत क्षमता विकसित करने में सहायता मिलेगी।

14 निगम के महापौर नपा अध्यक्ष रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों के महापौर, नगर पालिकाओं के अध्यक्ष, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, हुडको के सीएमडी संजय कुलश्रेष्ठ, तेलंगाना नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव डॉ.टीके श्री देवी, सेप्ट विश्वविद्यालय के अध्यक्ष बरजोर मेहता, विभागीय संचालक नीलेश महादेव क्षीरसागर, सुडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमित अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, विशेषज्ञ और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जलभराव का स्थायी समाधान और भूमिगत बिजली तारों पर जोर

मुख्यमंत्री साय ने नगरीय निकायों को शहरों की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, बरसात के दौरान जलभराव से नागरिकों को होने वाली परेशानी दूर करने के लिए प्रभावी और दीर्घकालिक जल निकासी व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है। सड़क, पेयजल, बिजली, परिवहन और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं को अलग-अलग देखने के बजाय समग्र शहरी नियोजन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने शहरों में अव्यवस्थित बिजली और अन्य सेवाओं के तारों की समस्या पर भी ध्यान दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा, बड़े वाहनों या जुलूसों के गुजरने के दौरान तारों को ऊपर उठाने जैसी स्थिति आधुनिक शहरी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। जहां संभव हो, वहां बिजली और अन्य सेवाओं के तार भूमिगत करने की योजनाएं तैयार की जानी चाहिए।

मुख्य सचिव को कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर। प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष करन सिंह अटेरिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के मुख्य सचिव विकास शील से मुलाकात कर कर्मचारियों के आर्थिक शोषण के खिलाफ ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र के समान देय तिथि जनवरी से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का दीपावली से पूर्व भुगतान करने की पुरजोर मांग की। करन सिंह अटेरिया ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि सरकार के लगभग तीन साल पूरे होने के उपरांत भी इन्हें लागू नहीं किया गया है, जिससे हर वर्ग के कर्मचारियों का आर्थिक शोषण हो रहा है। इस भीषण महंगाई में सरकार द्वारा अपने ही कर्मचारियों का आर्थिक शोषण करना न्यायसंगत नहीं है।

पांच सूत्रीय मांगें

इसके अलावा संविदा, दैनिक वेतनभोगी एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का नियमितीकरण, स्वास्थ्य विभाग में जारी ठेका प्रथा को बंद करने, नगरीय निकाय के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने, कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा में पेंशनरों को भी अनिवार्य रूप से शामिल की मांग शामिल है।

2028 चुनाव की तैयारी बूथ स्तर से शुरू करें- कर्मवीर



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- जिला, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर हर माह बैठकें आयोजित करने के निर्देश

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से बूथ स्तर पर शुरू की जाए। इसके लिए जिला, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर हर माह बैठकें आयोजित कर संगठन को मजबूत किया जाए। वे बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित स्वागत-अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने कार्यकर्ताओं से गरीब कल्याण के कार्यों को गति देने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का आह्वान किया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू के स्वागत को कार्यकर्ताओं का दायित्व बताया। भाजपा शहर जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने बताया कि 25 अक्टूबर को स्मृति ईरानी के प्रथम रायपुर आगमन पर माना एयरपोर्ट से प्रदेश भाजपा कार्यालय तक एक हजार से अधिक कार्यकर्ताओं की बाइक रैली निकाली जाएगी।

वहीं, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने जानकारी दी कि 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पदयात्रा, लोकतंत्र और भीड़तंत्र पर कार्यक्रम, 'घुसपैठिए हटाओ-देश बचाओ' अभियान तथा प्रबुद्ध नागरिक संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी।

छत्तीसगढ़ में तहसील और संयुक्त भवनों की मानक निर्माण लागत तय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- सरकार का नया आदेश
- तहसील भवन की मानक लागत 125 .02 लाख रुपए
- जिला मुख्यालय के लिए मंडल संयुक्त भवन की लागत 348 .73 लाख तय

छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग ने विभागीय भवनों की प्रशासकीय स्वीकृति से जुड़े अधिकारों के प्रत्यायोजन में संशोधन करते हुए राजस्व विभाग के चार प्रकार के भवनों की मानक निर्माण लागत निर्धारित की है। इस संबंध में वित्त विभाग ने नया आदेश जारी किया है।

वित्त के अनुसार, तहसील भवन की प्रति इकाई मानक लागत 125.02 लाख रुपये निर्धारित की गई है। जिला मुख्यालय के लिए मंडल संयुक्त भवन की लागत 348.73 लाख रुपये और जिला मुख्यालय को छोड़कर संयुक्त भवन की लागत 205.07 लाख रुपये तय की गई है। इसके अलावा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भवन की मानक लागत भी 125.02 लाख रुपये निर्धारित की गई है। वित्त विभाग के निर्देश में कहा गया है कि बजट में नवीन मद के रूप में शामिल ऐसे विभागीय भवनों की प्रशासकीय स्वीकृति के अधिकार संबंधित प्रशासनिक विभाग को प्रत्यायोजित किए गए हैं, जिनका मानक प्राक्कलन और इकाई लागत वित्त विभाग द्वारा अधिसूचित की गई है। यह व्यवस्था निर्धारित शर्तों के अधीन लागू होगी।

नवीन मद के रूप में शामिल हो

निर्देश के अनुसार, संबंधित निर्माण कार्य बजट में नवीन मद के रूप में शामिल होना चाहिए और उसके लिए बजट प्रावधान उपलब्ध होना आवश्यक है। स्वीकृति की अवधि वित्त विभाग के नवीन मद संबंधी वित्तीय सीमाओं के निर्धारण के निर्देश के तहत निर्धारित समयावधि के भीतर होनी चाहिए। प्रशासकीय स्वीकृति वित्त विभाग द्वारा अधिसूचित मानक इकाई लागत के अनुरूप ही दी जाएगी। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्देश के शेष प्रावधान यथावत रहेंगे। संशोधन परिपत्र जारी होने की तिथि से लागू माना जाएगा।

पटवारियों की हड़ताल का समाधान निकाले सरकार, बैज बोले- धान खरीदी पर संकट की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- 31 अक्टूबर तक पंजीयन और डिजिटल सर्वे पूरा करना चुनौती, राजस्व रिकॉर्ड में सुधार नहीं होने से किसान परेशान

छत्तीसगढ़ में पटवारियों की हड़ताल को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर गतिरोध दूर करने की मांग की है। उन्होंने आशंका जताई कि हड़ताल जारी रहने से धान खरीदी की तैयारियां प्रभावित हो सकती हैं और किसानों को पंजीयन सहित राजस्व संबंधी कार्यों में परेशानी उठानी पड़ सकती है।

उन्होंने कहा, सरकार ने धान खरीदी के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की है। इस वर्ष एग्री-स्टैक पोर्टल पर पंजीयन, फार्मर आईडी बनाना, खसरों को फार्मर आईडी से जोड़ना और डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से फसल एवं रकबे का सत्यापन जैसे कार्य समय-सीमा में पूरे करना जरूरी है। पटवारियों की हड़ताल के कारण इन कार्यों में देरी होने की आशंका है।



राजस्व संबंधी कामकाज प्रभावित

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, पटवारियों की अनुपस्थिति से नामांतरण, बंटवारा, फौती दर्ज कराने, खसरा मैपिंग और भूमि रिकॉर्ड की त्रुटियां सुधारने जैसे कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसानों को अपने दस्तावेज दुरुस्त कराने के लिए तहसील कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पटवारी प्रतिवेदन नहीं मिलने से राजस्व प्रकरणों के निराकरण में भी देर हो रही है।

पीवी ऐप की समस्याओं का विरोध

बैज के मुताबिक, पटवारी राजस्व विभाग के पीवी ऐप यानी फिजिकल वेरिफिकेशन ऐप में तकनीकी समस्याओं का हवाला देकर विरोध कर रहे हैं। पटवारी संघ की शिकायतों में सर्वर की समस्या, लोकेशन का मिलान नहीं होना और खेतों में फसल के भौतिक सत्यापन में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयां शामिल हैं। उन्होंने सरकार से पटवारी संघ के साथ तत्काल बातचीत कर समस्याओं का समाधान निकालने की मांग की।

छत्तीसगढ़ में अकुशल श्रमिकों की औसत दैनिक मजदूरी राष्ट्रीय औसत से बहुत कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मजदूर अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए उतनी ही मशक्कत करते हैं, जितने दूसरे राज्यों के श्रमिक करते हैं, लेकिन राज्य में अकुशल श्रमिकों की औसत दैनिक मजदूरी राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। नीति आयोग और भारतीय सांख्यिकी संस्थान के अध्ययन में राज्य के ग्रामीण अकुशल श्रमिकों की औसत दैनिक मजदूरी 215 रुपये और शहरी श्रमिकों की 272 रुपये आंकी गई है। इसके मुकाबले राष्ट्रीय औसत ग्रामीण क्षेत्र में 394.10 रुपये और शहरी क्षेत्र में 544.67 रुपये प्रतिदिन है।

अध्ययन के अनुसार छत्तीसगढ़ में ग्रामीण अकुशल श्रमिकों की औसत दैनिक मजदूरी राष्ट्रीय औसत से लगभग 45 प्रतिशत और शहरी श्रमिकों की मजदूरी लगभग 50 प्रतिशत कम बैठती है। रिपोर्ट में राज्यवार मजदूरी के साथ सार्वजनिक परियोजनाओं के आर्थिक मूल्यांकन में इस्तेमाल होने वाले श्रम के छाया मजदूरी दर गुणांक (शेडो वेज रेट फैक्टर) का भी आकलन किया गया है।

समग्र छाया मजदूरी दर गुणांक राष्ट्रीय स्तर से काफी कम

अध्ययन में छत्तीसगढ़ के अकुशल श्रमिकों के लिए समग्र छाया मजदूरी दर गुणांक 0.49 आंका गया है, जबकि राष्ट्रीय औसत 0.86 है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के लिए यह गुणांक 0.49 और शहरी क्षेत्र के लिए 0.47 है। यह गुणांक सामान्य मजदूरी दर या महंगाई का सूचक नहीं है। इसका उपयोग सार्वजनिक परियोजनाओं के आर्थिक लागत-लाभ आकलन में श्रम की अवसर लागत का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूनतम मजदूरी के आधार पर परियोजना की श्रम लागत की गणना करते समय इस गुणांक का इस्तेमाल आर्थिक लागत के आकलन को प्रभावित कर सकता है।

इसे वर्तमान मजदूरी दर नहीं मान सकते

हालाँकि, रिपोर्ट के आंकड़ों को वर्तमान मजदूरी की दर नहीं माना जाना चाहिए। ये 2023-24 के सर्वेक्षण-आधारित अनुमान हैं और इन्हें राज्य में सभी श्रमिकों की वास्तविक कमाई, वर्तमान न्यूनतम मजदूरी या मनरेगा की निर्धारित मजदूरी के बराबर नहीं समझा जा सकता। कृषि मजदूरी, निर्माण क्षेत्र की मजदूरी और अन्य श्रेणियों के श्रमिकों के आंकड़ों में भी अंतर हो सकता है।

अकुशल ग्रामीण श्रमिक को 231 और शहरी को 299 रुपए रोजी

रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की औसत दैनिक मजदूरी का विवरण है। छत्तीसगढ़ में पुरुष अकुशल श्रमिकों की औसत दैनिक मजदूरी ग्रामीण क्षेत्र में 231 रुपये और शहरी क्षेत्र में 299 रुपये दर्ज की गई है। वहीं तालिका 14 में महिला अकुशल श्रमिकों की औसत दैनिक मजदूरी ग्रामीण क्षेत्र में 203 रुपये और शहरी क्षेत्र में 221 रुपये बताई गई है। ये भी 2023-24 के अनुमान पर आधारित है, रिपोर्ट का प्रकाशन वेबसाइट पर 13 अक्टूबर 2026 को किया गया है।

ये जांच का विषय है

इस अध्ययन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि मजदूरी के राज्यवार अंतर को केवल श्रम बाजार के आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि सार्वजनिक निवेश की परियोजनाओं के मूल्यांकन के संदर्भ में भी देखा गया है। छत्तीसगढ़ में सड़क, सिंचाई, ग्रामीण विकास और अन्य सार्वजनिक परियोजनाओं की आर्थिक व्यवहार्यता का आकलन करते समय राज्य-विशिष्ट मजदूरी और श्रम लागत के अनुमान किस तरह इस्तेमाल किए जाते हैं, यह आगे जांच का विषय हो सकता है।

मादक पदार्थों की तस्करी, पुलिस, कोर्ट की सख्ती से नौ महीने में 188 प्रकरणों में 299 को सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- पिछले वर्ष की तुलना में कार्रवाई के साथ सुनवाई में वृद्धि
- स्थानीय स्तर पर जिन्हें 10 साल से ज्यादा सजा हुई है उनकी संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की तैयारी
- दो दर्जन से ज्यादा तस्करों की संपत्ति की जांच कर सफेमा के तहत की जाएगी कार्रवाई

मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े तस्करों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के साथ ट्रायल में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष ज्यादा सुनवाई हुई है। नौ महीने में अलग-अलग कोर्ट ने एनडीपीएस के 188 प्रकरणों में सुनवाई करते हुए 299 मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों को सजा सुनाई है। वर्ष 2025 में 197 प्रकरण में कोर्ट ने 336 तस्करों को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है।

एनडीपीएस प्रकरण में कोर्ट ने जिन प्रकरणों में सजा सुनाई है, उनमें 75 से 80 प्रकरण दूसरे राज्य के तस्कर हैं, जो गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी करने छत्तीसगढ़ के रूट को कॉरिडोर के रूप में इस्तेमाल करते थे। जिन आरोपियों को सजा सुनाई गई है, उनमें ज्यादातर कमर्शियल क्वांटिटी में गांजा तस्करी करने वाले तस्कर शामिल हैं।



नौ माह में सात करोड़ से ज्यादा का मादक पदार्थ जब्त

पुलिस कमिश्नरेट ने नौ माह में 208 प्रकरण में 369 मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों को गिरफ्तार किया है। सात करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत के मादक पदार्थों की जब्ती की है। जब्त मादक पदार्थों में 13 क्विंटल से ज्यादा गांजा है। इसके अलावा 33 हजार नशीला टेबलेट, 187 ग्राम एमडीएमए, 167 ग्राम हेरोइन चिट्टा, 472 शीशी नशीली सीरप, 550 नग इंजेक्शन, 151 ग्राम अफीम तथा पांच ग्राम कोकीन जब्त की है।

दो दर्जन से ज्यादा के खिलाफ सफेमा की कार्रवाई

आदतन गांजा तस्कर रवि साहू, मुकेश बनिया सहित अन्य दो तस्करों की संपत्ति अटैच करने पुलिस कमिश्नरेट ने मुंबई स्थित सफेमा कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। सफेमा कोर्ट ने चार आरोपियों के नौ करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच करने का फैसला सुनाया है। स्थानीय गांजा तस्कर जिनको कमर्शियल क्वांटिटी में गांजा तस्करी करने के आरोप में कोर्ट ने 10 साल से ज्यादा की सजा सुनाई है, पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर उन आरोपियों की संपत्ति की विवरण तैयार किया जा रहा है। पुलिस अफसरों से मिली जानकारी के अनुसार ऐसे 28 गांजा तस्कर जिन्हें कोर्ट ने 10 वर्ष से ज्यादा की सजा सुनाई है, उनकी संपत्ति अटैच करने पुलिस सफेमा कोर्ट में अर्जी दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

बीटीआई मैदान पर निर्माण के विरोध में कांग्रेस, सरकार से पूछा- विकल्प कहां है?

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- खुले मैदान बेचने के बजाय सामाजिक सरोकार निभाए सरकार- सुशील

राजधानी के शंकर नगर स्थित बीटीआई मैदान पर प्रस्तावित व्यावसायिक और आवासीय निर्माण को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने निर्माण योजना का विरोध करते हुए मैदान को सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखने की मांग की है।

उन्होंने कहा, रायपुर में पहले ही खुले मैदानों की कमी है। बीटीआई मैदान स्थानीय नागरिकों के लिए सैर-सपाटे, बच्चों के खेलकूद और सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे स्थान पर व्यावसायिक और आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना उचित नहीं है। सरकार को राजस्व अर्जित करने के साथ नागरिक सुविधाओं और सामाजिक सरोकारों का भी ध्यान रखना चाहिए।

पहले भी कम हुए सार्वजनिक मैदान



कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि रायपुर में स्कूलों के मैदानों पर दुकानें और अन्य निर्माण होने से सार्वजनिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध स्थान लगातार कम हुए हैं। उन्होंने साइंस कॉलेज मैदान, सप्रे स्कूल, आरडी तिवारी स्कूल और मोवा स्कूल के मैदानों का उल्लेख करते हुए कहा, शहर में खेलकूद और सामाजिक आयोजनों के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराना जरूरी है।

सरकार से मांगा जवाब

उन्होंने सवाल उठाया कि बीटीआई मैदान में निर्माण होने पर बच्चों के खेलकूद, स्थानीय नागरिकों और सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए वैकल्पिक स्थान कहां उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने सरकार से राजधानी में बचे सार्वजनिक मैदानों की स्थिति स्पष्ट करने और प्रस्तावित निर्माण योजना पर पुनर्विचार करने की मांग की।